पटना ●रविवार, 15 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः246 www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

लापरवाहीः प्रतिनियुक्ति के नाम पर... 3 | www. bordernewsmirror.com | बॉलीवुड में डेब्यू करते ही... 8

आज की कांग्रेस बन गई है अर्बन नक्सल का नया रूप

हरियाणा में मोदी बोले-इनके मुंह में किसानों की मौत का पाप

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुरुक्षेत्र में पहली रैली की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शाही (गांधी) परिवार आरक्षण को खत्म करने वाला है। मगर, जब तक मोदी है, आरक्षण की रत्ती भर भी लूट नहीं होने दूंगा। पीएम ने हरियाणा के लोगों को चेताया कि अगर यहां कांग्रेस की सरकार आई तो इसकी हालत भी हिमाचल जैसी हो जाएगी। जहां सरकार के पास

- **यह आरक्षण खत्म करने वाले हैं, एक परिवार को आगे बढ़ा रहे**

कर्मचारियों को सैलरी देने के पैसे नहीं हैं। यहां तक कि सीएम और मंत्रियों को अपनी सैलरी छोड़नी पड़ रही है। किसानों के मुद्दे पर पीएम ने कहा कि कांग्रेस देश को गुमराह कर रही है। उन्होंने कांग्रेस को चैलेंज दिया कि वे कर्नाटक और तेलंगाना में इन स्कीमों को लागू करें। मोदी ने कहा कि तेलंगाना में कुछ ही महीनों में 1200 किसान खुदकुशी कर चुके हैं। कांग्रेस के लोगों को डूब मरना चाहिए। उनके मुंह में किसानों की मौत का पाप है। हरियाणा में भाजपा सरकार 24 फसलों पर एमएसपी दे रही है। इस रैली में हरियाणा की जीटी रोड बेल्ट पर लगते 6 जिलों की 23 विधानसभा सीटों के उम्मीदवार भी मौजूद रहे। नरेंद्र मोदी ने कहा- मैं एक और बात बताऊंगा, कांग्रेस में एक अंदरूनी महाभारत चल रही है। जिस तरह यहां एक परिवार को आगे बढ़ाकर कांग्रेस राजनीति कर रही है, वह पूरा दलित समाज देख रहा है। हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार आने का मतलब है कि सबका साथ सबका विकास। गांधी जी हमेशा से सत्य की वकालत करते थे, आजादी के कुछ वर्षों तक कांग्रेस पर गांधी जी के आदर्शों का असर रहा, लेकिन आज की कांग्रेस अर्बन नक्सल का नया रूप बन गई है। कांग्रेस को झूठ बोलने पर अब शर्म नहीं आती। कांग्रेस हर रोज एक नया झूठ बोलती है। कांग्रेस देश की एकता पर लगातार हमला कर रही है।

नफरत की दुकान पर मोहब्बत का झांसा देते हैं राहुल

पीएम ने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और खासकर राहुल गांधी पर करारा प्रहार किया। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि वो नफरत की दुकान पर मोहब्बत की दुकान का बोर्ड लगाकर लोगों को धोखा देते हैं। मोदी जम्मू-कश्मीर के मतदाताओं को सावधान किया कि धोखा कांग्रेस का हमेशा से राजनीतिक हथियार रहा है और वह देशभर की जनता को धोखा देती रही है। पीएम ने यह बताने के लिए कि कांग्रेस के वादों में जो पड़ा, उसकी दुर्दशा निश्चित है, हिमाचल प्रदेश की खस्ता हालत का जिक्र किया। प्रधानमंत्री का इशारा किया कि आज हिमाचलवासी कांग्रेस पर भरोसा करके भुगत रहे हैं। कांग्रेस की सरकार बनने के कुछ ही महीनों में ही हिमचाल का सरकारी खजाना खाली हो गया और वहां अब विकास कार्य तो छोड़िए, जरूरी काम भी नहीं हो रहे हैं। पीएम ने बताया कि संविधान अपनी जेब में रखने वाले दरअसल संविधान की आत्मा पर चोट करने वाले लोग हैं।

पीएम आवास में गाय ने दिया बछिया को जन्म

मोदी ने नाम रखा दीपज्योति, वीडियो शेयर कर लिखा- इसके माथे पर ज्योति का चिह्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास में नन्हा मेहमान आया है। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करते हुए बताया कि गौ माता ने बच्चे को जन्म दिया है। पीएम मोदी को उसका नामकरण 'दीपज्योति' किया है। पीएम मोदी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिसर में नए सदस्या का शुभ आगमन हुआ है। प्रिय गौ माता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है। उन्होंने बछिया को दुलार करते हुए अपना एक वीडियो भी शेयर किया है। कैप्शन में उन्होंने लिखा, हमारे शास्त्रों में कहा गया है- गावः सर्वसुख प्रदाः। लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री आवास में गौ माता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है, जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है।

इसलिए, मैंने इसका नाम दीपज्योति रखा है। वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी गाय के बच्चे को दुलराते हुए दिखाई दे रहे हैं। वह उसका तिलक करते हैं और फूलों का हार पहनाते हैं। इसके बाद अपनी गोद में उठाकर बगीचे में टहलाते हुए नजर आते हैं।

भारत दोस्ती को है तैयार ड्रैगन के भी नरम पड़े तेवर

- **चीन से रिश्ते सुधरने के मिलने लगे हैं कई संकेत**

नई दिल्ली (एजेंसी)। गलवान घाटी संघर्ष के बाद वर्षों से एशिया की दो महाशक्तियां भारत और चीन के रिश्ते बेपटरी हो चुके हैं। इसे सुधारने के लिए दोनों देशों के बीच कई बैठकें हो चुकी हैं। हालांकि, अब इसमें नरमी के संकेत मिल रहे हैं। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्ष सलाहकार अजीत डोभाल ने लगातार इसके लिए पहल किए हैं। अब चीन की तरफ से भी जो बयान सामने आए रहे हैं उससे रिश्ते सुधरने के संकेत मिल रहे हैं। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने शुक्रवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख के चार क्षेत्रों में सेनाओं के बीच तनातनी कम हुई है। रूस में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग ई के बीच गुरुवार को ब्रिक्स देशों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक से इतर हुई बैठक में दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने के लिए सहमत हैं। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच सीमा मसले को लेकर दर्ज किए गए सुधार पर भी चर्चा हुई है। मिंग से जब पूछा गया कि पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनातनी के बाद बीते चार वर्षों से द्विपक्षीय संबंध सुस्त पड़े हैं, क्या इसे नई गति मिल सकती है।

मणिपुर में एक बार फिर बिगड़ सकते हैं हालात

बांग्लादेश संकट का फायदा उठाने की ताक में आतंकी

इंफाल (एजेंसी)। बांग्लादेश में खराब हुए हालात मणिपुर में तनाव को और बढ़ा सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इसको लेकर अलर्ट जारी किया है। इसके मुताबिक बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है उसका फायदा उठाकर नॉर्थ-ईस्ट को वॉर जोन में बदला जा सकता है। कुछ न्यूज रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ऐसा दावा किया गया है। इसमें बताया गया है कि यह बांग्लादेश स्थित कट्टरपंथी समूह जमातुल अंसार फिल हिंडल शरकिया या जमातुल अंसार के लिए बहुत माकूल हालात हैं। वजह, भारतीय उपमहाद्वीप में

अल-कायदा (एक्यूआईएस) का कुकी-चिन नेशनल फ्रंट के साथ बहुत करीबी संबंध है। जमातुल अंसार और कुकी चिन नेशनल फ्रंट चटगांव के पहाड़ी इलाकों में आर्म्स ट्रेनिंग कैंप चला रहे हैं। एजेंसी के मुताबिक इससे पहले यह बात सामने आई थी कि दोनों संगठनों ने प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए एक लिखित समझौता किया था। सूत्रों के मुताबकि जमातुल अंसार स्थानीय संगठनों के साथ गठबंधन कर रहा है क्योंकि उनका एजेंडा भारत को अस्थिर करना है और पूर्वोत्तर स्थित उग्रवादी समूह हाथ मिलाने के लिए तैयार हैं। इसमें यह भी बताया गया है कि हथियारों के लिए म्यांमार से ड्रग मनी, एक्यूआईएस से कट्टरपंथी एजेंडा और एक अलग देश बनाने के लिए अमेरिकी पक्ष से दबाव एक और खेल है।

भारत मां को लहूलुहान करना चाहते हैं भटके हुए लोग

किशनगढ़ (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना कटाक्ष करते हुए कहा कि भटके हुए लोग भारत मां को लहूलुहान करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति ने विदेश में इस तरह से व्यवहार किया कि वह अपने संविधान की शपथ भूल गए और देश के हितों की अनदेखी

कर संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाई। उन्होंने कहा कि संविधान का पालन करना, उसके आदर्शों व संस्थाओं, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना मौलिक कर्तव्य है। धनखड़, किशनगढ़ में केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान में '2047 में विकसित भारत में उच्च शिक्षा की भूमिका' पर संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

आप बारिश में विरोध-प्रदर्शन कर रहे, मैं रातभर सो नहीं पाई

- **कोलकाता में प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से मिलीं ममता, कार्रवाई का दिया भरोसा**

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साल्ट लेक स्थित स्वास्थ्य भवन में प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आश्वासन दिया कि वह सीनियर अधिकारियों से मिलकर उनकी समस्या का समाधान निकालेंगी। इतना ही नहीं, ममता ने डॉक्टरों से समय मांगा और दोषियों को सजा दिलाने का भी वादा किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदर्शन स्थल पर चिकित्सकों से कहा कि संकट को हल करने का यह मेरा आखिरी प्रयास है। उन्होंने कहा कि आरजी कर अस्पताल की रोगी कल्याण समिति को भंग करने की घोषणा की। हालांकि मुख्यमंत्री की बातों का डॉक्टरों पर बहुत असर पड़ता नहीं दिखा। ममता बनर्जी के धरना स्थल पर पहुंचने

के बाद प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने कहा कि जब तक चर्चा नहीं हो जाती, हम अपनी मांगों को लेकर समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से बात करते हुए कहा कि मैं खुद छात्र आंदोलन करके आगे आई हूं, मैंने अपने जीवन में भी बहुत संघर्ष किया है, मैं आपके संघर्ष को समझती हूं। मुझे मेरे पद की चिंता नहीं है। कल रात भर बारिश हुई आप यहां धरने पर बैठे थे मैं रात भर परेशान रही... आपकी मांगों को आपसे सुनने के बाद मैं उसका अध्ययन करूंगी। उन्होंने कहा कि मैं आपसे मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि आपकी 'दीदी' के तौर पर मिलने आई हूं।

लड़ने से इनकार किया तो ठंडी खाई में कर दिया कैद

मास्को (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूसी सेना में फंसा सभी युवक भारत वापस लौट चुके हैं। उन्होंने आपबीती साझा की है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्र आभार प्रकट किया है। तेलंगाना के नारायणपेट के एक युवक मोहम्मद सूफियान भी वहां फंसे थे। अखबार से बात करते हुए उन्होंने उस भयानक मंजर के बारे में साझा किया है।

- **रूसी सेना में फंसे भारतीय जवानों ने सुनाई आपबीती**

उन्होंने कहा, मैं यूक्रेन के 60 किलोमीटर अंदर रूसी सैनिकों के साथ एक शिविर में था। 6 सितंबर को एक स्थानीय सेना कमांडर आया और हमें बताया कि हमें नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है और हमारा अनुबंध अब वैध नहीं है। हम भारत लौट सकते हैं। उन्होंने मुझे गुलबर्गा के तीन युवकों और रूसियों के साथ लड़ने वाले अन्य विदेशी नागरिकों को एक सेना की बस उपलब्ध कराई और हम दो दिन बाद मॉस्को पहुंच गए। पिछले दिसंबर में मॉस्को पहुंचने के बारे में याद करते हुए सूफियान ने कहा कि एक रोजगार एजेंट ने उन्हें आश्वस्त किया कि वह मॉस्को में रूसी सरकार के कार्यालय में सुरक्षा गार्ड या सरकारी

कार्यालय में सहायक के रूप में नौकरी के लिए आवेदन कर रहा है। उन्होंने कहा, जैसे ही हम वहां पहुंचे हमें हस्ताक्षर करने के लिए रूसी भाषा में एक दस्तावेज दिया गया। हमें बताया गया कि यह रूसी सरकार के साथ एक साल के लिए 1 लाख रुपये प्रति माह के वेतन पर काम करने का अनुबंध है।

सपा की सीट पर भी खुद के दावेदार खोज रही कांग्रेस

- **कांग्रेस की इस कवायद के निकाले जा रहे सियासी मायने**

मेरठ (एजेंसी)। यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में समाजवादी पार्टी से गठबंधन होने के दावे के बाद भी कांग्रेस चुनाव की सामानंतर तैयारी कर रही हैं। सभी सीटों पर दावेदारों की खोज चल रही हैं। वेस्ट यूपी के मुरादाबाद जिले की कुंदरकी सीट हो या मुजफ्फरनगर जिले की मीरापुर सीट। इसी तरह अलीगढ़ जिले की खैर या गाजियाबाद जिले की गाजियाबाद सदर सीट, चारों पर कांग्रेस के पर्यवेक्षक दावेदारों के आवेदन एकत्र कर रहे हैं। शुक्रवार शाम को ही कुंदरकी सीट पर दावेदारों के आवेदन लेने पहुंचे दो पर्यवेक्षकों के सामने 13 लोगों ने चुनाव लड़ने के लिए आवेदन किए। ऐसे में सियासी जानकार इसके कई मायने निकाल रहे हैं।

शिमला मस्जिद विवाद, हिमाचल के पांच जिलों में जबरदस्त प्रदर्शन

सैकड़ों लोगों ने संजौली में पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में निकालीं रैलियां, बाजार बंद रहे

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की मस्जिदों में अवैध निर्माण के विवाद को लेकर 4 जिलों में प्रदर्शन हो रहा है। शिमला से सटे सुन्नी, बिलासपुर, हमीरपुर, सिरमौर जिले के पांवटा साहिब और मंडी के सुंदरनगर में हिंदू संगठनों ने शनिवार को आक्रोश रैली निकाली। ये संगठन शिमला के संजौली मस्जिद के खिलाफ प्रदर्शन में पुलिस लाठीचार्ज का विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों का पुलिस वैरिफिकेशन हो। साथ ही उनके कामकाज पर नजर रखी जाए। इस प्रदर्शन के समर्थन में पूरे प्रदेश के बाजार भी 2 घंटे बंद रखे गए। प्रदर्शन को देखते हुए पूरे राज्य में मस्जिदों और मुस्लिम आबादी वाले इलाकों के बाहर पुलिस

तैनात की गई है। शिमला में स्थानीय युवक की पिटाई से शुरू हुआ विवादः शिमला में 31 अगस्त की शाम को मल्याणा गांव में एक स्थानीय व्यक्ति की पिटाई की गई। आरोप लगे कि मुस्लिम समुदाय के लोगों ने उसे पीटा। मारपीट के बाद आरोपी शिमला की संजौली मस्जिद में छिप गए। स्थानीय लोगों ने अगले ही दिन यानी 1 सितंबर को संजौली में मस्जिद के बाहर प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि 5 मंजिला मस्जिद के 3 फ्लोर अवैध हैं। टॉप फ्लोर पर आने वाले उनके घरों में तांका-झांकी करते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संजौली में बनी मस्जिद अवैध है।

संक्षिप्त समाचार

इलेक्ट्रिक कार पेड़ से टकराने के बाद धूं धूं कर जल गया

सहरसा' , एजेंसी। सिमरीबख्तियारपुर, एक प्रतिनिधि। नगर परिषद क्षेत्र के सिमरीबख्तियारपुर-सहरसा सड़क मार्ग के भोरहा गांव के समीप गुरुवार देर रात एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। पेड़ से टकराने के बाद अचानक कार में आग लग गई और देखते ही देखते घटना स्थल पर ही धु-धु कर जल गया । वहीं कार के चालक ने समय रहते कार से बाहर निकल कर अपनी जान बचाई । प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार गुरुवार देर रात सहरसा की दिशा से सिमरीबख्तियारपुर की ओर तेज रफ्तार में जा रही थी जैसे ही कार भोरहा गांव के समीप पहुंचा तभी अनियंत्रित होकर सडक किनारे एक पेड़ से टकरा गई और कार से धुआं उठने लगा। हालांकि कार के चालक ने समय रहते कार से बाहर निकल कर अपनी जान बचाई । तभी देखते ही देखते कार के अंदर से आग की लपटे उठने लगी । जब तक अग्निशमन की टीम वहां पहुंची तब तक पूरी तरह से जल चुकी थी । घटना के बाद से कार चालक फरार हो गया। कार किनका था, पता नही चल पाया।

अलग-अलग दो हादसे में तीन लोग घायल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सदर थाना क्षेत्र के भगवानपुर ओवरब्रिज पर सड़क दुर्घटना में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जुगाड़ गाड़ी ने ठोकर मार दी थी। घायल बाइक सवार एंबुलेंस का चालक बताया जा रहा है। सदर पुलिस ने उसको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। इधर, आमगोला ओवरब्रिज पर भी कार की ठोकर से बाइक सवार दो लोग जख्मी हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर काजीमोहम्मदपुर थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मछली व्यवसायी का पुत्र कमरे में फंदे से लटका मिला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मिठनपुरा थाना के रामबाग माईस्थान गली में मछली व्यवसायी शीनोद साह के पुत्र सोनू कुमार (28) का शव शुक्रवार को कमरे में फंदे से लटका मिला। वह परिवार के साथ किराए के मकान में रह रहा था। घटना के समय वह घर में अकेला था। परिवार के सदस्य एक रिश्तेदार की शादी की सालगिरह में शामिल होने कन्हौली नाका के पास गए थे। देर शाम परिवार के सदस्यों ने सोनू के मोबाइल पर कॉल किया। कई बार फोन करने के बाद भी जब रिसीव नहीं हुआ तो परिवार के सदस्य भागे-भागे घर पर पहुंचे। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा को तोड़ा गया तो सोनू फंदे से लटका हुआ था। इसके बाद परिजनों में चीख पुकार मच गई। घटना की सूचना पर मिठनपुरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। थानेदार रामइकबाल प्रसाद ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजन के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ओडिशा के जंगल से लौटे बिहार के एक और मजदूर की मौत, रहस्यमयी बीमारी से अब तक 4 की जान गई

पटना, एजेंसी। बिहार के पटना जिले के बाढ़ में बीते दिनों ओडिशा से लौटे एक और मजदूर ने दम तोड़ दिया। रहस्यमयी बीमारी से अब तक चार मजदूरों की जान जा चुकी है। इससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। चारों मजदूर ओडिशा में मजदूरी करने गए थे। लोगों का कहना है कि मजदूरों को सुनसान जंगल में टावर लगाने का काम मिला था। वहीं, उन्हें किसी बीमारी ने चपेट में ले लिया। इसके बाद एक-एक कर चार मजदूरों ने दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं, विशेषज्ञों का दावा है कि मजदूरों की जान मलेरिया की वजह से गई। जानकारी के मुताबिक रहस्यमयी बीमारी से ग्रसित चौथे मजदूर शाहिद ने शुक्रवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उसकी मौत पश्चिम बंगाल के आसनसोल के एक अस्पताल में हुई। परिजन उसे बाढ़ से ही इलाज के लिए वहां ले गए थे। उसके साथी मजदूर मोहम्मद सलीम और उमर उर्फ चुन्नू का इलाज चल रहा है। मजदूरों के परिजन लगातार हुई मौत से डरे हुए हैं। कुछ लोग इसे दिमागी बुखार भी बता रहे हैं। परिजन के अनुसार इलाजरत मजदूर मोहम्मद सलीम की हालत में सुधार हो रहा है। बता दें कि मजदूरों का ग्रुप एक हफ्ते पूर्व ओडिशा से बीमार होकर लौटा था। ओडिशा से लौटे मजदूरों की रहस्यमय बीमारी से मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया।

बिहार के पैक्स कर्मियों की बल्ले-बल्ले!

जल्द वेतनमान देगी नीतीश सरकार इस बात का है इंतजार

पटना, एजेंसी। बिहार राज्य के 8463 पैक्सों में कर्मियों और प्रबंधकों का वेतनमान तय करने के लिए कमेटी गठित कर दी गई है। कमेटी को जल्द रिपोर्ट देने को कहा गया है। हालांकि, डेढ़ माह बीतने के बाद भी अभी तक कमेटी की रिपोर्ट विभाग को नहीं मिली है। रिपोर्ट मिलने के बाद सरकार की ओर से इन्हें वेतमान देने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। फिलहाल पैक्स के लाभांश से उन्हें मानदेय दिया जाता है।

कमेटी की अनुशंसा के बाद प्रबंधकों और कर्मियों का मानदेय तय किया जाएगा। हाल के दिनों में पैक्सों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं। धान खरीद के अलावा पेट्रोल पंप, जन औषधि केन्द्र, सीएससी, राशन, खाद-बीज की दुकान का संचालन पैक्स कर रहे हैं। इसमें प्रबंधकों की अहम भूमिका होती है। पैक्सों में खाता के रखरखाव के लिए अकाउंट कर्मी और कंप्यूटर चलाने के लिए डाटा इंट्री ऑपरेटर भी रखे जा रहे हैं। इन कर्मियों का वेतनमान एक समान नहीं होने से परेशानी हो रही है।

इसे देखते हुए वेतनमान तय करने पर विचार चल रहा है। पैक्स कर्मी संघ बहुत दिनों से इसकी मांग कर रहा है। इस संबंध में विधानसभा में भी प्रश्न उठ चुका है। इसके बाद सहकारिता विभाग ने अपर निबंधक की अध्यक्षता में छह सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है। कमेटी से पंद्रह दिनों में रिपोर्ट मांगी गई थी। हालांकि, डेढ़ माह बीतने के बाद भी अभी तक कमेटी की रिपोर्ट नहीं आई है।

प्रबंधकों को अभी लाभांश से मिलता है मानदेय

पैक्स प्रबंधकों और कर्मियों को मानदेय अभी लाभांश से मिलता है। चूंकि ज्यादातर पैक्स या तो कम लाभांश पर चलते हैं या फिर घाटे में रहते हैं। ऐसे में वहां के कर्मियों को समान मानदेय नहीं मिल पाता है। कर्मियों के मानदेय के संबंध में नियमावली पहले बन चुकी है। कमेटी उसका भी अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट देगी।

अवैध कोचिंग संस्थानों के संचालक पर होगी कार्रवाई

सीवान, एजेंसी। सीवान के शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण इलाकों में भी बिना रजिस्ट्रेशन के सैकड़ों कोचिंग संस्थान चलाए जा रहे हैं। इन सभी कोचिंग संस्थान के संचालकों के ऊपर शिक्षा विभाग शीघ्र ही कार्रवाई करेगा। शिक्षा विभाग द्वारा इन सभी की सूची तैयार की जा रही है। इन सभी से रजिस्ट्रेशन के लिए शिक्षा विभाग ने आवेदन मांगा गया था और रजिस्ट्रेशन कराने के लिए एक माह का समय दिया गया था। लेकिन अधिकांश कोचिंग संचालकों के द्वारा अभी तक रजिस्ट्रेशन नहीं कराया गया है। रजिस्ट्रेशन कराने के लिए 15 दिन के लिए तिथि में विस्तार भी किया गया था। बावजूद इसके कोचिंग संस्थान के संचालकों ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है।

संचालकों को भेजा जाएगा नोटिस

शिक्षा विभाग इन सभी के उपर नकेल कसने की तैयारी शुरू कर दिया है। बिना रजिस्ट्रेशन वाले कोचिंग संस्थान के संचालकों को अब नोटिस भी भेजा जाने लगा है। साथ ही साथ शिक्षा विभाग द्वारा सूची तैयार की जा रही है। सीवान जिला में छठी कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक के एकेडमी कोचिंग सेंटर के अलावा सरकारी नौकरी की तैयारी कराने वाले सैकड़ों कोचिंग संस्थान हैं। जिनसे एसएससी, बैंक, बीपीएससी, यूपीएससी सहित विभिन्न तैयारियां कराई जाती है।

कोचिंग संचालकों की सूची तैयार करने का आदेश

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि सभी प्रखंड के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को ऐसे कोचिंग संचालकों की सूची तैयार करने के लिए निर्देश दिया गया है। जिन्होंने रजिस्ट्रेशन नही कराया है, सभी के ऊपर कार्रवाई होगी।

बिहार में फिर टला रेल हादसा, गया-कोडरमा रूट पर दो भागों में बंट गई मालगाड़ी. टूट गई कपलिंग

पटना, एजेंसी। बिहार में शनिवार को फिर एक बड़ा रेल हादसा टल गया। राज्य के गया कोडरमा रेलखंड पर शनिवार को एक मालगाड़ी टूट कर दो भागों में बट गई। हालांकि ड्राइवर की सूझबूझ से कोई हानि नहीं हुई। जानकारी के मुताबिक बोगी को जोड़ने वाली कपलिंग टूटने से मालगाड़ी के दो टुकड़े हो गए। रेलवे के अधिकारी और कर्मी मौके पर पहुंच गए हैं और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। बिहार में चालक और गार्ड की सूझबूझ से यह रेल हादसा टल गया। जानकारी के मुताबिक दुर्घटनाग्रस्त मालगाड़ी कोडरमा से गया की ओर जा रही थी। गया-कोडरमा रेलखंड के पहाड़पुर रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह नौ बजे के आसपास यह हादसा हुआ।

परिश्रमिक नहीं मिलने पर आशा कार्यकर्ताओं का हंगामा

छपरा, एजेंसी। पैनल की खबरें तरैया। तरैया रेफरल अस्पताल में पोलियो के प्रशिक्षण शुरू होने के पहले परिश्रमिक राशि कई महीनों से नहीं मिलने को लेकर आशा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को हंगामा किया। उनका कहना था कि सभी कार्यक्रम में हम लोग काम करते हैं लेकिन काम के बदले राशि नहीं मिल रही है। आशा कार्यकर्ताओं में चिंता देवी, ज्ञांति देवी,पासपति देवी, किरण देवी,सरस्वती देवी थीं। बीसीएम धनंजय सिंह ने उक्त आशा कार्यकर्ताओं को समझा बुझाकर शांत कराया। वहीं लंबित राशि भुगतान करने का आश्वासन दिया। निर्माणाधीन कचरा भवन की दीवार तोड़ी,केस दरियापुर। प्रखंड की सुतिहार पंचायत के जुम्मन टोला वार्ड नं. 17 में कचरा प्रसंस्करण इकाई के तहत बनाये जा रहे भवन की दीवार को कुछ लोगों ने तोड़ दिया। साथ ही निर्माण के लिए रखे गए हजारों का सरिया, ईंट, गिट्टी, सीमेंट, हैंडपंप आदि भी लेकर चले गए। इस संबंध में पंचायत सेवक सुबोध कुमार ने उसी गांव के तीन लोगों को नामजद करते हुए थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में उन्होंने कहा है कि जिस जमीन पर कचरा भवन बनाया जा रहा है वह अंचलाधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया है लेकिन आरोपी बार-बार अपनी जमीन बता कर पहले निर्माण कार्य रोक देते थे। आठ फीट ऊंची उठाई गई दीवार तोड़ दी गई। एफआईआर में इमाम हसन अंसारी, इमरान अंसारी व इब्रान अंसारी को आरोपित किया गया है। मारपीट में सात लोग घायल ,एक रेफर तरैया। थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में हुई मारपीट में सात लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। घायलों में नेवारी की उर्मिला देवी, रामपुर महेश के आदित्य शर्मा का रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर छपरा सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। घायल रामपुर की ममता देवी, किसुनपुरा के जितेन्द्र राय, देवरिया लाल बाबू राय,एवम भटगाई के बुबंती देवी ,काजल कुमारी शामिल हैं । सभी का उपचार अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। फर्जी लैब व नर्सिंग होम की छापेमारी को लेकर टीम का गठन तरैया। तरैया के गैर लाइसेंसी नर्सिंग होम व लैब में छापेमारी करने के लिए छापेमारी दल का गठन किया गया। अस्पताल प्रभारी डॉ आलोक बिहारी शरण ने बताया कि उक्त दल में चिकित्सक के अलावा तरैया प्रखंड विकास पदाधिकारी व थानाध्यक्ष रहेंगे। तरैया में पहले दस फर्जी लैब थे। उसके बाद तरैया मोड़ से लेकर पोखरेरा बाजार तक तीन , तरैया बाजार से पचरौर रोड में एक व तरैया रामबाग में एक नया लैब फिर खुला है। बत्तीस फर्जी नर्सिंग होम हैं। जनसुराज की प्रखंड स्तरीय कमेटी का गठन तरैया। प्रखंड के तरैया रामबाग गांव स्थित जनसुराज पार्टी के कार्यकर्ताओं की शुक्रवार को एक बैठक हुई। प्रखंड स्तरीय कमेटी का गठन किया गया। पूर्व मुखिया संजीव कुमार सिंह को प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया। नंदकिशोर राय उर्फ सुपन राय,राजबलम राम, बीडीसी प्रतिनिधि सानुल्लाह , पूर्व बीडीसी पुष्पा यादव,मनोज कुशवाहा, बृजकिशोर सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया है। सचिव पद पर भोला खां को,प्रवक्ता के रूप पूर्व जिला पार्षद श्रीभगवान गुप्ता, रमन सिंह को चुना गया है। महिला प्रकोष्ठ की प्रखंड अध्यक्ष संगीता देवी को चुना गया है। अनुमडल अध्यक्ष ने नव नियुक्त प्रखंड अध्यक्ष संजीव सिंह को अंगवस्त्र से सम्मानित किया।उक्त मौके पर पूर्व मुखिया किशोर सिंह बबुआ व आनंद मोहन सिंह गार्ड थे। पल्स पोलियो टीकाकरण को लेकर आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण तरैया। तरैया रेफरल अस्पताल में आगामी 22 सितंबर से होने वाले पल्स पोलियो उन्मूलन टीकाकरण अभियान को लेकर आशा कार्यकर्ताओं को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में अस्पताल प्रभारी डॉ आलोक बिहारी शरण ने जीरो से लेकर पांच वर्षो तक बच्चों का पोलियो की ड्रॉप पिलाने की विधि बताई। करंट लगने से युवती झुलसी ,अस्पताल में भर्ती तरैया। थाना क्षेत्र के लऊवा गांव में कपड़ा पर आयरन करने के क्रम में करंट लगने से एक युवती झुलस गई। उक्त पीड़िता रीया कुमारी का उपचार रेफरल अस्पताल में चल रहा है।

खेसारी लाल की बड़ी मुश्किलें, 18 लाख के चेक बाउंस मामले में आरोप गठित, कोर्ट में हुए हाजिर

छपरा, एजेंसी। छपरा कोर्ट के एसीजेएम एकादश राकेश कुमार की अदालत में शुक्रवार को चेक बाउंस के मामले में आरोपित भोजपुरी फिल्म के अभिनेता और गायक शत्रुघ्न कुमार उर्फ खेसारी लाल यादव के खिलाफ आरोप का गठन हुआ। खेसारी लाल यादव कोर्ट में अधिवक्ता वीरेश कुमार चौबे के साथ उपस्थित हुए। मालूम हो कि रसूलपुर थाना क्षेत्र के असहनी निवासी मृत्युंजय नाथ पांडेय ने रसूलपुर थाने में 16 अगस्त 2019 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमें आरोप लगाया था कि उसने अपनी जमीन बेचने के लिए रसूलपुर थाना क्षेत्र के धानाडीह निवासी भोजपुरी एक्टर खेसारी लाल की पत्नी चंदा देवी से 22 लाख 7 हजार रुपये में

बात की थी। जमीन की रजिस्ट्री 4 जून 2019 को एकमा रजिस्ट्री कार्यालय में हुई थी। उस वक्त खेसारी लाल ने 18 लाख का चेक दिया था। चेक को उन्होंने 20 जून 2019 को अपने खाता में जमा कर दिया जो 24 जून को वापस आ गया। दोबारा उन्होंने उसे 27 जून को जमा किया तो बैंक ने 28 जून को चेक बाउंस होने की जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस ने धारा 406 व 138 एनआईएक्ट के तहत मामला दर्ज किया। न्यायालय ने 22 जनवरी 2021 को खेसारी लाल के खिलाफ समन और 25 फरवरी 2021 को जमानती वारंट जारी किया था। वारंट जारी होने के बावजूद खेसारी लाल कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए तो गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। उसके बाद उन्होंने कोर्ट में हाजिर होकर जमानत लिया था।

सफाई व्यवस्था को लेकर होटल एसोसिएशन ने नगर आयुक्त से की मुलाकात

गया, एजेंसी। नगर निगम कार्यालय में शुक्रवार को होटल एसोसिएशन के लोगों ने नगर आयुक्त से मुलाकात की। गया जी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष निशांत कुमार गुप्ता, सचिव अजय कुमार, कोषाध्यक्ष अभिषेक कुमार गुप्ता सहित अन्य होटल संचालकों ने पहले नगर आयुक्त कुमार अनुराग को शॉल व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इसके बाद लोगों ने कहा कि स्टेशन रोड इलाके में लगभग 65 होटल हैं। वहां पितृपक्ष के दौरान या आये दिन भी बाहर से आने वाले हजारों लोग ठहरते हैं। ऐसे में इस इलाके की सड़कों की सफाई दो बार जरूर होनी चाहिए। कहा कि इस इलाके की नालियों की सफाई भी समय-समय पर हो जिससे कि लोगों को साफ-सफाई दिखे और वह एक अच्छा संदेश लेकर यहां से जाएं। लोगों ने कहा कि हमलोगों के होटल में निगम के सप्लाई का पानी से ही काम चलता है। ऐसे में इस इलाके में पानी की सप्लाई नियमित रूप से हो। खास कर मेले के दौरान कम से कम तीन बार पानी सप्लाई की जाए। इससे यहां ठहरने वाले यात्रियों को पानी की किल्लत ना हो। एसोसिएशन के लोगों की बातों को नगर आयुक्त ने गंभीरता से सुना और उन्हें साफ-सफाई बेहतर होगी इसके लिए आश्वस्त किया। इस दौरान उपेन्द्र कुमार, अमित कुमार व अन्य लोग भी मौजूद रहे।

बांका में करंट लगने से दो लोगों की मौत:पहले की कनेक्शन ठीक करने तो दूसरे की खेत में जाने के दौरान गई जान

बांका, एजेंसी। बांका में करंट लगने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना शंभूगंज और अमरपुर थाना क्षेत्र की है। इस हादसे में एक बच्चे और युवक की मौत हुई है। घटना शुक्रवार रात की है। पहली घटना शंभूगंज प्रखंड क्षेत्र के महिसौथा गांव की है जहां करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रामविलास साह के बेटे बाबू साहब(22) के रूप में हुई है ।

मृतक के बड़े भाई संतोष कुमार ने बताया कि बाबू साहब घर में बिजली कनक्शन के तार को दुरुस्त कर रहा था। इसी क्रम में युवक खुले तार के संपर्क में आ गया। जिससे वह अचेत होकर गिर पड़ा। अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। बताया कि चार दिन पहले ही उसकी मां मौत हुई थी। मृतका की मां फूलो देवी गांव के मध्य विद्यालय में रसोईया का काम करती थी । मां की मौत की सूचना पर बाबू साहब गुजरात से घर आया था । घर में श्राद्ध कर्म की तैयारी चल रहा था। बताया कि करीब छह माह पहले

बाबू साहब की शादी मुंगेर जिले के अमैया गांव के लक्ष्मी कुमारी से हुई थी।

खेत में गिरे तार की चपेट में आया

दूसरी घटना अमरपुर थाना क्षेत्र में डुमरामा गांव वार्ड नंबर 4 निवासी रोहित दास का करीब 3 वर्षीय पुत्र जितेंद्र कुमार घर के बगल खेत में शौच करने के लिए गया था। जहां अचानक का खेत में बिजली तार की चपेट में आने से मासूम बच्चे की मौत हो गई। बच्चों को अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने जांच करने के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना अध्यक्ष ने बताया बिजली करंट की चपेट में आने से मौत हुई है।

डेंगू का हॉटस्पॉट बना पटना, अब तक 9 मौतें: 24 घंटे में 128 नए केस

राजधानी में एक दिन में मिले सबसे ज्यादा 59 मरीज

पटना, एजेंसी। बिहार में डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में 128 नए मामले सामने आए हैं। जबकि शुक्रवार देर रात PMCH में एक मरीज की मौत हुई है। डेंगू से राज्य में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है। राजधानी पटना डेंगू का हॉटस्पॉट बनता जा रहा है। यहां सबसे ज्यादा 59 केस की पुष्टि हुई है। इस सीजन में अब तक पूरे प्रदेश में 1535 केस मिले हैं। जिसमें सबसे ज्यादा 710 केस राजधानी पटना में है।

दिल्ली से चार सदस्यीय टीम पहुंची थी पटना

नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोलकी चार सदस्यीय टीम जांच के लिए पटना पहुंची थी। शुक्रवार को पटना जंक्शन, राजेंद्र नगर, गुलजारबाग, पटना साहिब स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। टीम को करबिगहिया साइड में बने फव्वारा के पास लार्वा मिला। इसके अलावा राजेंद्रनगर स्टेशन पर भी लार्वा मिला है। नगर निगम की फॉगिंग एवं लार्वीसाइडल टीम भी जांच दल के साथ मौजूद थी। जहां-जहां लार्वा मिला है, उन जगहों पर तत्काल फॉगिंग की गई है।

हॉस्पिटल में 30 बेड सुरक्षित रखने का निर्देश

डेंगू के बढ़ते मामले को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट मोड पर है। विभाग की ओर से सभी अस्पतालों में 30-30 बेड सुरक्षित रखने का निर्देश दिया गया है। प्रत्येक जिला अस्पताल में 5 बेड, पीएचसी और सीएचसी में दो-दो बेड डेंगू मरीजों के लिए सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं।

डेंगू से अब तक 9 लोगों की मौत

पीएमसीएच में इलाज के दौरान जमुई के रहने वाले राहुल चौधरी(33) की मौत हुई है। शुक्रवार देर रात इंटरनल ब्लीडिंग के कारण दम तोड़ दिया। इससे पहले भागलपुर की रहने वाली खुशबू कुमारी (17) डेंगू से संक्रमित हुई थी। 6 सितंबर को पीएमसीएच में भर्ती कराया गया था। प्लेटलेट्स तेजी से डाउन हुआ और इलाज के दौरान 7 सितंबर को मौत हो गई। पटना के रहने वाला संजीत कुमार (17) की भी मौत पीएमसीएच अस्पताल में भर्ती होने के एक दिन के बाद ही हो गई थी। इंटरनल ब्लीडिंग के कारण 7 सितंबर को उन्होंने दम तोड़ दिया।

समस्तीपुर के हेल्थ वर्कर राम लक्ष्मण दास को भी 7 दिन पहले डेंगू का संक्रमण हुआ था। 5 दिन में ही वह इतना कमजोर हो गए कि बेहोश हो गए। इलाज के लिए घर वाले बेगूसराय ले गए, लेकिन हालत बिगड़ती गई, डॉक्टरों ने रेफर कर दिया। जिसके बाद पटना के मेदांता में भर्ती कराया गया। इंटरनल ब्लीडिंग के कारण जान चली गई।

इसी तरह गर्दनीबाग की पूनम सिन्हा (57) डेंगू से संक्रमित हुई थी। जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद 31 अगस्त को पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया। हालत ऐसी हो गई कि उन्हें इमरजेंसी के आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। प्लेटलेट्स तेजी से डाउन हुआ और इलाज के दौरान जान चली गई।

31 अगस्त को पीएमसीएच में डेंगू पीड़ित 40 साल के युवक अशोक गिरी की मौत भी इंटरनल ब्लीडिंग के कारण हुई है। जहानाबाद के रहने वाले अशोक गिरी पीएमसीएच में 25 अगस्त को एडमिट हुए थे। 5 ही दिन में मौत हो गई।

29 अगस्त को एनएमसीएच में 16 साल के आर्यन की मौत भी डेंगू के संक्रमण से हुए इंटरनल ब्लीडिंग से हुई थी। 26 अगस्त की रात नौबतपुर के आर्यन को एनएमसीएच में भर्ती कराया गया था। प्लेटलेट्स लगातार कम होने से हालत बिगड़ गई थी। उन्हें पहले से ही पीलिया था। सिर्फ 4 ही दिन में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

उदय स्टोन क्लिनिक
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
9102779809
9801344665

लापरवाहीः प्रतिनियुक्ति के नाम पर शिक्षकों को ड्यूटी से मुक्ति

बीएनएम। मोतिहारीः निरज आनंद

- प्रतिनियुक्ति के बावजूद केंद्राधीक्षक की नजरों से ओझल हो गए वीक्षक
- अनुपस्थित शिक्षकों की विरमन सूचना के बाद क्या इन लापरवाह शिक्षकों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही होगी?
- कत्तर्व्यहीन शिक्षकों को डीईओ कार्यालय के बाबूओं/लिपिकों का अपार संरक्षण है प्राप्त
- यक्ष प्रश्न है कि वीक्षण कार्य में अनुपस्थित वीक्षकों को प्रतिनियुक्ति अवधि का वेतन डीईओ कार्यालय कैसे देगा? उसका आधार क्या होगा?

पुराने त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम एवं चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के तहत परीक्षा संबंधी मर्यादाओं के अनुकूल परीक्षा संचालन शिक्षकों, विद्यार्थियों व संस्थानों के लिए एक गंभीर चुनौती बन गई है। राजभवन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के समक्ष जहां एक तरफ ससमय परीक्षा आयोजन व ससमय परीक्षा परिणाम देकर सत्र को बिलंब होने से रोकने की चुनौती है वहीं दूसरी तरफ परीक्षार्थियों की संख्या के अनुपात में अपेक्षित शिक्षकों/वीक्षकों के न होने से भी परीक्षा संबंधी मानकों के अनुकूल परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती है। जहां मैट्रिक, इंटरमीडिएट व प्रतियोगी परीक्षाओं में वीक्षण के लिए संबंधित एजेंसियों के आग्रह पर शिक्षा विभाग, बिहार सरकार व स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा पर्याप्त संख्या में वीक्षकों की प्रतिनियुक्ति कर दी जाती है। वहीं डिग्री पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं में वीक्षकों की कमी से संबंधित समस्याओं के समुचित समाधान के लिए राज्य स्तर पर राज्य सरकार या राजभवन द्वारा कोई स्पष्ट दिशा निर्देश नहीं दिया गया है। स्थानीय स्तर पर संबंधित प्रधानाचार्यों द्वारा वीक्षकों का प्रबंध कर डिग्री परीक्षाएं आयोजित की जा रही है। जिले के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय के विधि प्रिय प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा इस चुनौती से निपटने के लिए सभी डिग्री परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित होते ही जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) के पास वीक्षकों की अधियाचना प्रेषित कर देते हैं, ताकि परीक्षा संबंधी मानकों के अनुकूल परीक्षाओं का संचालन किया जा सके। हाल ही में विगत 23 अगस्त से 5 सितंबर के मध्य संचालित सत्र 2021-24 के त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की परीक्षा में वीक्षण कार्य के लिए एलएनडी कॉलेज प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण को अधियाचना प्रेषित की गई थी। जिला शिक्षा पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण द्वारा 22 अगस्त को जारी कार्यालय आदेश से वीक्षण कार्य के लिए एलएनडी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर कुल 16 वीक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई। प्रावि गंडक कॉलोनी से रेणु कुमारी, उमवि हरदिया नॉर्थ, उर्दू से निम्मी कुमारी, उप्रावि उत्तरी टोला से अभिलाषा कुमारी, उत्क्र.म.वि. सरेया खास से खुशबू कुमारी, राप्रावि लोकनाथपुर से प्रीति कुमारी, जीएमएस गवंद्रा से मणिभूषण कुमार रजक, जीपीएस बुच्चा नॉर्थ, सुगौली से मयंक राज, यूएचएस ढेकहां मठ से उमेश कुमार, यूएचएस मुरला, रामगढ़वा से मनीष कुमार, यूएचएस गोविंदगंज से पिंकी कुमारी, यूएचएस गवंद्रा, ढाका से अमित कुमार, यूएमएस पटखौलिया

से अमित कुमार, राप्रावि शेख टोली उर्दू से अतहर रजा, राप्रावि माधोपुर से सिफत आरा, मुनिलाल सिंह+2 वि.कुंडवा चैनपुर से जाहिद शम्स तथा उमवि महम्मदपुर उर्दू से दीप्ति देव को प्रतिनियुक्त किया गया। प्रतिनियुक्त शिक्षकों में कुछ ने योगदान देकर निरंतर वीक्षण कार्य किया तो कुछ ने योगदान देकर पूरी परीक्षा अवधि तक आना मुनासिब नहीं समझा। परीक्षा समाप्ति के उपरांत केंद्राधीक्षक द्वारा 5 सितंबर को जारी कार्यालय आदेश से प्रतिनियुक्त शिक्षकों को अनुपस्थिति विवरणी के साथ विरमित कर दिया गया। प्रतिनियुक्त शिक्षकों में जहां उमवि हरदिया नॉर्थ, उर्दू की निम्मी कुमारी, उप्रावि उत्तरी टोला की अभिलाषा कुमारी, जीपीएस बुच्चा नॉर्थ, सुगौली के मयंक राज, यूएचएस ढेकहां मठ के उमेश कुमार, यूएचएस मुरला, रामगढ़वा के मनीष कुमार, यूएचएस गोविंदगंज के पिंकी कुमारी, मुनिलाल सिंह+2 वि.कुंडवा चैनपुर से जाहिद शम्स तथा उमवि महम्मदपुर उर्दू से दीप्ति देव ने ससमय उपस्थित होकर

प्रतिनियुक्त शिक्षकों के बारे में पत्र के द्वारा सभी सच्चाई से जिला शिक्ष पदाधिकारी, मोतिहारी को अवगत करा दिया गया है।

प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा प्राचार्य, एलएनडी कॉलेज, मोतिहारी

निरंतर तीक्ष्ण कार्यों को संपन्न किया। वहीं जीएमएस गवंद्रा के मणिभूषण कुमार रजक छः दिन तथा यूएमएस पटखौलिया के अमित कुमार आठ दिन अनुपस्थित रहे। प्रावि गंडक कॉलोनी की रेणु कुमारी, राप्रावि लोकनाथपुर की प्रीति कुमारी, यूएचएस गवंद्रा, ढाका के अमित कुमार, राप्रावि शेख टोली उर्दू के अतहर रजा तथा राप्रावि माधोपुर के सिफत आरा योगदान के बाद परीक्षा केंद्र पर सदा के लिए अनुपस्थित हो गए। ये सभी वीक्षण प्रतिनियुक्ति के बावजूद केंद्राधीक्षक की नजरों से ओझल हो गए। सबसे आश्चर्यजनक तो यह है कि उत्क्र.म.वि. सरेया खास से खुशबू कुमारी ने योगदान ही नहीं की। अब यक्ष प्रश्न यह है कि अनुपस्थित/गैर-हाजिर शिक्षकों की विरमन सूचना के बाद क्या इन लापरवाह शिक्षकों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही होगी। शायद ही हो पाए, क्योंकि इन कत्तर्व्यहीन शिक्षकों को जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के बाबूओं या लिपिकों का अपार संरक्षण प्राप्त है। क्या संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापकों द्वारा इन लापरवाह शिक्षकों की अनुपस्थिति विवरणी सक्षम प्राधिकार को प्रेषित किया जाएगा। क्या कार्यालय के बाबूओं द्वारा इन अनुपस्थित शिक्षकों की अनुपस्थिति विवरणी को जिला शिक्षा पदाधिकारी या जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, स्थापना के संज्ञान में लाया जाएगा। शायद कभी नहीं, कार्यालय के बाबूओं की मिलीभगत से इन्हें अनुपस्थिति अवधि का भी वेतन भुगतान कर दिया जाएगा। यह खेल निराला प्रतीत होता है। कार्यालय के बाबूओं की छत्रछाया में ऐसे शिक्षक प्रतिनियुक्ति की आड़ में अपने कर्तव्यों से मुक्ति पा लेते हैं तथा शिक्षण अधिगम से ज्यादा जुगाड़ी दिमाग लगाकर प्रतिनियुक्ति की जुगत में लगे रहते हैं, ताकि फरार रहते हुए भी सहजता से वेतन पाया जा सके। यदि ऐसे शिक्षकों को चिन्हित कर प्रतिनियुक्ति से हटाते हुए योग्य व कर्मठ शिक्षकों की तैनाती की जाए तो परीक्षा संबंधी मानकों के अनुकूल डिग्री परीक्षाओं का आयोजन किया जा सकता है। उक्त मामले में तीन दिनों तक लगातार पीछे रहने के बावजूद जब जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) संजीव कुमार से फोन, व्हाट्सएप व टेक्सट्स मैसेज से पूछा गया तो उन्होंने कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। वहीं एलएनडी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि प्रतिनियुक्त शिक्षकों के बारे में पत्र के द्वारा सभी सच्चाई से जिला शिक्षा पदाधिकारी, मोतिहारी को अवगत करा दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

एमजीसीयू मोतिहारी में हिंदी साहित्य सभा का पुर्नगठन, सुनंदा बनी अध्यक्ष

बीएनएम। मोतिहारी। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग की हिंदी साहित्य सभा का पुनर्गठन किया गया। हिंदी साहित्य सभा के अंतर्गत विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन छात्रों द्वारा किया जाता है। हिंदी साहित्य सभा में सुनंदा गराईं को अध्यक्ष तथा विकास कुमार को सचिव का दायित्व दिया गया है। अपराजिता को उपाध्यक्ष, सहसचिव अवधेश कुमार, कोषाध्यक्ष प्रियंका सिंह, सह कोषाध्यक्ष संजीत कुमार एवं रजनीश कुमार, संस्कृति सचिव अशर्फी लाल, संस्कृति सह सचिव काजल कुमारी एवं रुद्राणी; साहित्य सचिव कुलदीप, साहित्य सह सचिव अनन्या सिंह एवं मनु भगत, मीडिया सचिव राजेश पाण्डेय, मीडिया सहसचिव अंशु एवं रूपेश, प्रबंध सचिव अनुराग कुमार आनंद, प्रबंध सहसचिव अमनदीप एवं कुमारी सिया को घोषित किया गया। मुस्कान कौशिक, शिवानी कुमारी, खुशबू कुमारी, संजना कुमारी,लवली कुमारी और ज्योति कुमारी को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने हिंदी साहित्य सभा के नए दायित्व धारियों को शुभकामनाएं दी। हिंदी साहित्य सभा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी साहित्य सभा छात्रों के साहित्यिक अभिरुचि के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अपने कार्यक्रमों के माध्यम से इसने अपनी उपादेयता सिद्ध की है। कार्यक्रम का आरंभ हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा के स्वागत वक्तव्य के साथ हुआ। हिंदी साहित्य सभा के पूर्व सचिव सोनू कुमार ठाकुर द्वारा सभा का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तथा इकाई भंग करने की घोषणा की गई। तत्पश्चात विभाग अध्यक्ष द्वारा नवीन इकाई का गठन किया गया। मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. विमलेश कुमार सिंह तथा संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. श्याम कुमार झा ने दायित्व धारियों को शुभकामनाएं दी।

डीएम ने किया स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता कार्यक्रम का शुभारंभ

बीएनएम। मोतिहारी। स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार को डीएम सौरभ जोरवाल ने किया। इस मौके पर डीएम के नेतृत्व में जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने मोतिहारी के ऐतिहासिक गांधी मैदान की साफ-सफाई की। मौके पर डीएम सौरभ जोरवाल ने कहा हम सभी लोगों को स्वच्छता को अपने व्यवहार में लाना होगा तब ही स्वच्छ समाज और स्वच्छ भारत का निर्माण हो सकेगा। डीएम ने कहा इस कार्यक्रम का आयोजन लोगों को जागरूक करने के लिए किया गया है। उन्होने कहा कि सरकार के निर्देश के आलोक में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक किया जा रहा है।जिसमें प्रतिदिन विभिन्न विभागों के द्वारा स्वच्छता आधारित गतिविधियां चला कर जनमानस को जागरूक किया जाएगा। स्वच्छता अभियान में डीएम के साथ नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, अपर समाहर्ता लोक शिकायत निवारण शैलेंद्र भारती, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन राजेश्वरी पांडे, एसडीओ सदर श्वेता भारती मौजूद थे।

ट्रेन से कटकर अज्ञात महिला की मौत

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के सुगौली-रक्सौल रेलखंड पर सुगौली से करीब तीन किलोमीटर दूर शीतलपुर ढाला के समीप ट्रेन से कट कर एक अज्ञात महिला की घटनास्थल पर हीं मौत हो गई। घटना शनिवार की अपराह्न की बतायी गई है।रेल लाइन के किनारे महिला का क्षत-विक्षत शव देख लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।सूचना पर रेल थानाध्यक्ष नन्दिनी कुमारी,सुगौली थाना के एसआई शम्भू साह और जय प्रकाश सिंह पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे।जहां घटना के बारे में जानकारी ली।पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान नही हो सकी है।पुलिस आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेजने की तैयारी में जुटी है।

22 सितम्बर से जिले में होगी पोलियो अभियान की शुरुआत

- स्वास्थ्य विभाग की जिलास्तरीय टास्क फोर्स की बैठक का हुआ आयोजन
- महादलित टोले से पोलियो की दवा पिलाकर डीएम करेंगे अभियान की शुरुआत
- भारत-नेपाल बॉर्डर एरिया एलर्ट मोड पर रहेगा

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत 22 सितम्बर से प्रारम्भ होना है उसकी सफलता को लेकर स्वास्थ्य विभाग की जिलास्तरीय टास्क फोर्स की बैठक शहर के राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में शनिवार को हुआ। जिलाधिकारी ने बताया की महादलित टोले से पोलियो की दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने जिले के प्रभारी सीएस डॉ. श्रवण कुमार पासवान एवं डीआईओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा से पल्स पोलियो अभियान से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने समीक्षा के दौरान निर्देश दिया की निर्धारित आयु वर्ग का कोई भी बच्चा इस अभियान में दवा से वंचित न रह पाए। इस दौरान किसी भी स्वास्थ्य कर्मी को छुट्टी नहीं दी जाएगी, वहीं कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने बैनर, पोस्टर लगाकर प्रचार-प्रसार करने को कहा। वहीं प्रभारी सीएस डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने उपस्थित सभी चिकित्सा पदाधिकारीयों को कार्यक्रम प्रारम्भ होने के पूर्व सभी उपयोगी साधन जैसे वैक्सीन कैरियर, कोल्डबाक्स की सफाई व मरम्मत करा लेने को कहा एवं व्यवस्था के सुदृढीकरण का निर्देश दिया। वही सीडीपीओ को निर्देश दिया की आँगनबाड़ी सेविका, सहायिका सभी उपस्थित रहेंगी, बिना प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के लिखित आदेश के किसी प्रकार की छुट्टी नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षण के साथ ही व्यवस्था की त्रुटीयों को दूर करने का निर्देश दिया। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. शरतचंद्र शर्मा ने कहा की अभियान 22 सितम्बर से 28 सितम्बर तक चलेगा जिसमें जिसमे 25 सितम्बर को जिउतिया व्रत के कारण कार्य नहीं होगा जबकि पुनः 26, 27 को घर-घर भ्रमण होगा और 28 को बीटीम होगा। उन्होंने वैक्सीन की उपलब्धता कार्यक्षेत्र में वितरण उसके उपयोग की जानकारी दी। यूनिसेफ़ के धर्मेन्द्र कुमार एवं डब्लूएचओ के एसएमओ डॉ. मनोज तुमराडा ने बताया कि इस बार के अभियान में 1871 घर-घर टीम, 303 ट्रांजिट टीम, 631 पर्यवेक्षक के द्वारा कार्य किये जाने की योजना है। उन्होंने बताया की भारत-नेपाल बॉर्डर पर एसएसबी के जवानों से भी सहयोग लिया जाएगा। इस दौरान बॉर्डर एरिया वाले क्षेत्र पर टीकाकरण को लेकर एलर्ट रखा जाएगा। नेपाल से आने वाले बच्चों पर विभाग की विशेष नजर रहेगी। वहीं डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने बताया की स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय द्वारा जिले के कल्याणपुर प्रखंड के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर 15 सितंबर को टीकाकरण कार्यक्रम का उद्घाटन होना है इसलिए भी सभी को एलर्ट रहना है। मौके पर प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. श्रवण कुमार पासवान, डीआईओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीसीएम नंदन झा, आईसीडीएस डीपीओ कविता कुमारी, जिला सुचना जनसंपर्क पदाधिकारी, डब्ल्यूएचओ एसएमओ, यूनिसेफ़, सिफार के जिलाप्रतिनिधि, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सीडीपीओ व अन्य लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1991 वादों का हुआ निपटारा

बीएनएम। मोतिहारी

राष्ट्रीय एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन न्यायालय परिसर में शनिवार को हुआ। समारोह को संबोधन करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह प्राधिकार के अध्यक्ष देवराज त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य छोटे छोटे विवादों को निपटाकर समाज में अमन चैन लाना है। वहीं जिलाधिकारी सौरभ जेरवाल ने कहा कि विवाद प्रथम चरण में छोटे होते है लेकिन उसके निदान की प्रक्रिया जटिल होती है। ऐसे में आपसी सुलह समझौते ही विकल्प है। लोक अदालत से समाज में अमन चैन आने लगा है। जरुरत है इस आभियान को तेज कर लोगों में विधिक जागरूकता लाई जाए। अपर पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी ने कहा कि छोटे छोटे विवादों का निपटारा हो जाने से लोक अदालत के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। जो लोक अदालत के महत्व को बताता है। जिला विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष शेष नारायण कुंवर ने कहा कि आपसी समझौता से हुआ विवादों के निपटारा से समाज में न केवल अमन चैन आ जाता है, बल्कि एक दूसरे को सहयोग करने की भावना भी जागृत हो जाती है। वहीं संयुक्त सचिव अशोक कुमार ने कहा कि अदालत पर मोकदमों का बोझ कम करने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत मील का पत्थर साबित हो रहा है। समारोह का संचालन न्यायिक दंडाधिकारी मंजीता कुमारी व धन्यवाद ज्ञापन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राघवेन्द्र सिंह ने की। मौके पर न्यायाधीश मुकुंद कुमार, सूर्यकांत तिवारी, नूर सुल्ताना, शिखा शर्मा, सीमा कुमारी, लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी, चांदनी गुप्ता सहित अन्य न्यायाधीश, न्यायिक पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण आदि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है,कि लोक अदालत में 1991 वादों का निपटारा किया गया। जिसमे 10 करोड़ 21 लाख 73 हजार 301 रूपए की हुई रिकवरी हुई। निष्पादित वादों में बैंक के 1276, बीएसएनएल के 2, क्लेम वाद के 48 तथा कोर्ट वाद के 665 वाद निपटाए गए। रिकवरी में बैंक के 63976718 रूपए, बीएसएनएल के 8483, क्लेम वाद से 37960000 रुपये तथा न्यायालय वाद से 228100 रुपये रिकवर हुए।

एलएनडी कॉलेज में मनाया गया हिंदी दिवस समारोह

बीएनएम। मोतिहारी

शनिवार को शहर के एलएनडी कॉलेज में हिंदी दिवस के अवसर पर स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कला संकाय के निरीक्षक प्रो. राजीव कुमार, कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा, इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन के द्वारा हुआ। प्रो. राजीव कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी में तद्भव शब्दों के प्रयोग से हिंदी का विकास तेजी से किया जा सकता है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि हिंदी को सैद्धांतिक के साथ-साथ व्यावहारिक रूप में भी अपनाने की जरूरत है। कार्यक्रम के समापन सत्र में मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी रूपी कमरे की सभी दरवाजे और खिड़कियों को खोले रखने की जरूरत है तभी हिंदी का समुचित विकास होगा और हिंदी को ज्ञान उत्पादन की भाषा के रूप में भी पुनः प्रतिस्थापित करना होगा।भाषण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान क्रमशः कृति कुमारी,प्रकाश कुमार पांडेय और अभिषेक कुमार ने प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रवि रंजन सिंह ने हिंदी शब्दकोष के समावेशी चरित्र को और अधिक विकसित करने पर जोड़ दिया। कार्यक्रम के संयोजक और महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि विभिन्न विभागों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं के प्रतिभाग से यह स्पष्ट होता है कि आने वाला समय हिंदी का होगा। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने हिंदी के इतिहास और आज के दौर में चुनौतियों को उजागर किया। इस कार्यक्रम में निर्णायक मंडल में डॉ. कुमार राकेश रंजन, प्रो. मधुबाला मौर्या, डॉ. जौवाद हुसैन, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, डॉ. दीपक कुमार ने अपनी सहभागिता दी। इस अवसर पर प्रो. राकेश रंजन कुमार, डॉ. दुर्गेश मणि तिवारी, प्रो. कुमारी मनीषा, प्रो. कविता कुमारी, प्रो. प्रिय रंजन झा, डॉ. केके सिन्हा, डॉ. कस्तूरी शिवम सुंदरम, प्रो. प्रमोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दिवस सामारोह का किया गया आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

हिन्दी दिवस के अवसर पर सामारोह के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने दीप प्रज्जवलित कर सामारोह का विधिवत शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने सभागार में उपस्थित सभी पदाधिकारी, समाहरणालय संवर्ग के कर्मी एवं अन्य गणमान्य लोगों को हिन्दी दिवस की शुभकामनाए देते हुए कहा कि हिन्दी विश्व की तीसरी सबसे बडी भाषा के रूप में स्थापित है। उन्होने कहा कि राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में हिन्दी की अपनी महत्वपूर्ण भुमिका है। हिन्दी राष्ट्र भाषा ही नहीं बल्कि राष्ट्र के संस्कृति का सम्वाहक भी है, भाषा के औचित्य आधुनिक समय में भी बना रहे, इस दिशा में हमें लगातार कार्य करने कि अवाश्यकता है। उन्होने कहा कि हिन्दी दिवस पर हिन्दी को सरोकार, रोजगार एवं ज्ञान की भाषा बनाने का संकल्प हमें लेना चाहिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा उपस्थित सभी लोगों को अपने सभी कार्य हिंदी भाषा में संपादित करने एवं कार्यालय कार्य में हिंदी भाषा को प्राथमिकता देने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर अपर समाहर्ता ने कहा कि यह शुभ दिन भारत की आधिकारीक भाषा के रूप में हिन्दी को अपनाने का प्रतिक है, जो 14 सितम्बर के दिन संविधान सभा द्वारा लिया गया निर्णय था। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित सभी गणमान्य का स्वागत जिला सामान्य शाखा के प्रभारी पदाधिकारी जसवंत कुमार के द्वारा किया गया इस अवसर पर सभागार में जिलाधिकारी के साथ अपर समाहर्ता, वरीय कोषागार पदाधिकारी,सहायक कोषागार पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी,सहायक निदेशक बाल संरक्षण इकाई पूर्वी चंपारण सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मीगण तथा साहित्य प्रेमी सभागर में उपस्थित थे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

अवैध बालू खनन कर परिवहन करते दो हाईवा जब्त

बीएनएम। मोतिहारी

जिला खनन पदाधिकारी ने शनिवार को नदी से अवैध बालू खनन कर परिवहन करने के मामले में दो हाईवा वाहन को जब्त किया है। दोनों वाहनों के जप्त होते ही नदी से बिना ई चालान के बालू ढुलाई करने वाले वाहन मालिकों में हड़कंप मचा है।जिला खनन पदाधिकारी सुश्री पूजा ने उक्त कारवाई एनएच 28 पर चेकिग के दौरान की है।जिसमे उक्त दोनो हाईवा बिना ई चालान के लोकल बालू लोड कर परिवहन कर रहे थे। जप्त हाईवा वाहन संख्या बी आर 06 जी इ 9616 जो छः चक्का वाहन है, इस वाहन पर 649. 86 सीएफटी बालू व वाहन संख्या बीआर 06 जीएफ 9326 दस चक्का हईवा पर 440. 10 सीएफटी बालू लदा हुआ था. जिला खनन पदाधिकारी निर्देश पर चकिया थाना पुलिस ने दोनों वाहनों पर मामला दर्ज कर अग्रेतर कारवाई में जुटी है।

एमएस कॉलेज में हिंदी दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के मुंशी सिंह महाविद्यालय के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के तत्वावधान में शनिवार को हिंदी दिवस समारोह के अंतर्गत 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिंदी' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के अतिथि वक्ता प्रो. अरुण कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए हिंदी साहित्य की परम्परा की पड़ताल करते हुए बड़ी मानीखेज बात कही कि 'हिंदी को भले सत्ता का बल नहीं मिला लेकिन हिंदी को श्रमिकों और संतों का साथ और बल जरूर मिला। उन्होंने हिंदी साहित्य की जनधर्मिता पर भी अपनी बात रखी। हिंदी भाषा की समाहार शक्ति पर अपनी बात रखते हुए उन्होंने हिंदी भाषा के बढ़ते प्रचार-प्रसार, इसमें रोजगार के विविध क्षेत्र और उसकी संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदी को लेकर जो हीनताबोध है, उसे दूर करने की बात कही। वहीं अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. इक़बाल हुसैन ने कमला दास को उद्धृत करते हुए हिंदी को स्वप्न की भाषा से जोड़ा। उन्होंने हिंदी भाषा के सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य और उसकी विरासत पर अपनी बात रखा। राम दयालु सिंह महाविद्यालय, मुज़फ्फरपुर से आए कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. रमेश प्रसाद गुप्ता ने हिंदी भाषा को लेकर जो पूर्वाग्रह है उसे तोड़ने की बात कही। उन्होंने आदि कवि महर्षी वाल्मीकि को याद करते हुए हिंदी साहित्य की लोकधर्मिता पर अपनी बात रखी। उन्होंने वैश्वीकरण के बाद हिंदी के बढ़ते प्रचार-प्रसार मे हिंदी सिनेमा की भूमिका को रेखांकित करते हुए भाषा को लेकर शुद्धतावादी विचार के आग्रह से निकलने की व हिंदी भाषा को उन्होंने करुणा की भाषा कहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार ने हिंदी भाषा को समर्थ लोगों कि भाषा माना। उन्होंने भाषा के विकास को लेकर हिंदी भाषियों को स्वयं के ज्ञान में विस्तार की बात कही। उन्होंने तमिल, तेलगु, मलयालम जैसी भाषा को सीखने पर भी बल दिया जिससे हिंदी भाषी न केवल अपने ज्ञान का विस्तार कर सकते हैं, बल्कि यह भारत के भाषाई परिदृश्य के लिए भी बेहतर होगा। कार्यक्रम का कुशल संचालन मुंशी सिंह महाविद्यालय के हिंदी विभाग में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. गौरव भारती ने किया। वहीं धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव ने किया। मौके पर डॉ. शफ़ीक़ुर रहमान, श्री ए.के. चौबे, डॉ.अमित कुमार, डॉ. विदुषी दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति सराहनीय रही।

संक्षिप्त समाचार

कल्याणपुर के पटना पैक्स में करीब 61 लाख का गबनए पैक्स अध्यक्ष, प्रबंधक व कार्यकारिणी सदस्यों पर एफआईआर दर्ज

आरोपित पैक्स अध्यक्ष चंदन कुमार गिरफ्तार

बीएनएम। केसरिया। कल्याणपुर प्रखण्ड क्षेत्र के पटना पैक्स में करीब 61 लाख रुपये सरकारी राशि का गबन हुआ है। इस मामले में कल्याणपुर के प्रखण्ड सहकारिता पदाधिकारी कुमार शानू ने पटना पैक्स अध्यक्ष, प्रबंधक व प्रबन्धनकारिणी के करीब आधा दर्जन सदस्यों के विरूद्ध सरकारी राशि गबन करने के मामले में केसरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित पैक्स अध्यक्ष गवन्द्री निवासी चंदन कुमार को चकिया से गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि पटना पैक्स द्वारा खरीफ विपणन मौसम वर्ष 2023-24 में करीब 346 एमटी धान की खरीदारी की गई। जिसके समतुल्य सीएमआर करीब 235 एमटी होता है। पैक्स द्वारा मात्र 29 एमटी सीएमआर की आपूर्ति राज्य खाद्य निगम मोतिहारी को किया गया। जबकि शेष करीब 206 एमटी सीएमआर एसएफसी मोतिहारी को उपलब्ध नहीं करायी गई। बीसीओ द्वारा 10 सितम्बर को जब पैक्स गोदाम का भौतिक सत्यापन किया गया उस वक्त मात्र 26 एमटी धान गोदाम में पाया गया। जबकि करीब 280 एमटी धान गोदाम में नहीं पाया गया। जिससे 61लाख 87 हजार नौ सौ बीस रुपये के सरकारी राशि के गबन का मामला उजागर हुआ। इस मामले में पैक्स अध्यक्ष के अलावा प्रबंधक गवन्द्री के वीरेंद्र सिंह, प्रबंधनकारिणी सदस्य सीता देवी, रविरंजन कुमार, सिंधु देवी, अशोक कुमार सिंह, मनोहर राम व मंजू देवी को भी आरोपित किया गया है। पुलिस अग्रतर कार्रवाई कर रही है।

गहमा-गहमी के बीच पंचायत समिति की बैठक सम्पन्न

बीएनएम। रामगढ़वा। शनिवार को रामगढ़वा प्रखंड कार्यालय के सभागार मे पंचायत समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रमुख रीता देवी ने किया। बैठक मे स्थानीय विधायक ई. शशिभूषण सिंह व उप प्रमुख अरविंद पाण्डेय की उपस्थिति रही। शिवनगर मुखिया शिवचंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि 30 हजार का मुख्यमंत्री स्ट्रीट सोलर आठ हजार में लग रहा है। मुरला समिति सदस्य राजकमल ठाकुर आंगन बाड़ी केंद्रों पर पोषाहार मे वसूली और सेविकाओं को परियोजना से परेशान करने का आरोप लगाया। बेला समिति सदस्य मो आजाद ने इनके निर्वाचन क्षेत्र में कई राशन कार्ड के निरस्त होने का आरोप लगाया। बताया कि एक कार्ड मे बीस सदस्यों के नाम वाले कार्ड को निरस्त कर दिया गया है। जबकि वे सभी वाजिब लाभुक हैं। इन्होंने यह कहा कि एक परिवार से अब कई परिवार हो गए हैं और वे अलग हो चूके हैं लेकिन राशन कार्ड आज भी एक ही है। अलग हुए परिवारों का अलग से कार्ड नहीं बना है। इसलिए एक कार्ड मे सदस्यों की संख्या ज्यादा हो गई है। इस पर आपूर्ति पदाधिकारी ने इसका एक सप्ताह के अंदर निदान कर देने का आश्वासन दिया। शिवनगर पंचायत समिति सदस्य शारदा देवी ने आवंटित आवास की सूची में लाभुकों से कुछ लोगों द्वारा अवैध वसूली का आरोप लगाया और इस पर रोक लगाने की मांग की। बैठक मे बीडीओ राकेश सिंह, बीपीआरओ इंद्रजीत कुमार के साथ अन्य अधिकारी व पंचायत समिति सदस्य लालबाबू यादव, मो आजाद, जई साह, मो साजाद, अवधेश चौरसिया, विनोद साह, टेंगड़ ठाकुर, राजकमल ठाकुर, नन्हे राज, अजय प्रसाद ऊर्फ गांधी जी, उषा देवी, रूबी देवी, अनिशा देवी, शारदा देवी, रिजवाना प्रवीन, प्रियंका कुमारी, मुखिया मदन सिंह, रंजीत सिंह, धीरज गुप्ता, शिवचंद्र यादव, अशोक कुमार इत्यादि उपस्थित रहे।

चार वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के घोड़ासहन पुलिस ने थाना क्षेत्र में विभिन्न मामलों के वर्षों से फरार चल रहे चार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अनुज कुमार पांडे ने बताया कि थाना क्षेत्र के लैंन बसवरिया गांव से मारपीट के वारंटी रामउग्रह प्रसाद,लालबाबू प्रसाद एवं गणेश प्रसाद को गिरफ्तार किया गया है। जबकि उत्पाद अधिनियम के वारंटी शत्रुघ्न कुमार को घोड़ासहन से गिरफ्तार किया गया है। सभी को आवश्यक कागजी कार्रवाई के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पेंड़ से लटका मिला अधेड़ व्यक्ति का शव

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के मठलोहियार गांव से पुलिस ने एक अधेड़ व्यक्ति का पेड़ से लटकता हुआ शव शनिवार को बरामद किया है। मृतक की पहचान मठलोहियार पंचायत के वार्ड संख्या 12 का निवासी भुट्टी पटेल 50वर्ष के रूप में हआ है।मृतक जिला पार्षद रोहित गिरि के यहां कृषि संचालन का काम करता था। घटना स्थल से पुलिस ने उसका साइकिल बरामद किया है। मृतक को पांच पुत्री और दो पुत्र है। ग्रामीणों ने बताया कि देर शाम तक वह रोहित गिरि के खेत मे पानी पटाते देखा गया था और सुबह में उसकी लाश मिली है। घटना की सूचना मिलते हीं हरसिद्धि पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया।थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि हत्यारा उसका हत्या कर आत्महत्या का रूप देने के लिये गले मे गमछा बांधकर पेड़ के डाली से लटका दिया था ताकि लगे कि वह स्वयं गले मे फ़ांस लगाकर आत्महत्या कर लिया है। लेकिन ऐसा नहीं है हत्यारो ने उसकी हत्या कर पेड़ से लटका दिया है। शव को पोस्टमॉर्टम हेतु मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया गया है।रिपोर्ट मिलने के बाद स्थिति और स्पस्ट हो जाएगी। घटना स्थल पर अरेराज डीएसपी रंजन कुमार भी पहुंचकर घटना का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। थानाध्यक्ष ने बताया की परिजनों द्वारा अभी तक किसी तरह का आवेदन नहीं दिया गया है।आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। हालांकि पुलिस अनुसन्धान में जुट गई है। पत्नी ललिता देवी पुत्री निभा देवी देवी देवी आँचल ऋतु और सुहाना तथा पुत्र सुगम और सत्यम का रोरो कर बुरा हाल है। माँ कहती अब बेटो का शादी कैसे होगा।

पश्चिम चंपारण के 24 बाल ह्रदय रोगियों को स्क्रिनिंग हेतु एम्बुलेंस से पटना भेजा गया

बीएनएम। बेतिया

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत ह्रदय रोग से पीड़ित जिले के विभिन्न प्रखंडो के 24 बच्चे को उनके अभिभावकों के साथ बेहतर इलाज के लिए शनिवार को पटना स्थित इंदिरा गाधी ह्रदय रोग संस्थान भेजा गया। वहां इन बच्चों का कैंप में स्क्रीनिंग की जाएगी, जहां सामान्य रोग होने पर पटना में ही इलाज की जाएगी वहीं गंभीर रोग होने पर अभिभावकों के साथ हवाई जहाज से श्री सत्य साईं हॉस्पिटल अहमदाबाद रवाना किया जाएगा। जहां इनके ह्रदय में छेद की सर्जरी कराई जाएगी। मौके पर डॉ चंद्रा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिले के सरकारी स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्र पर ऐसे बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर स्क्रीनिंग की जाती है। उसके बाद ऐसे गंभीर बीमारियों से ग्रसित बच्चों की पहचान करते हुए उन्हें विशेष इलाज की सुविधा हेतु एम्बुलेंस से पटना रेफर किया जाता है। उसके बाद गंभीर ह्रदय रोग से पीड़ित बच्चों को सत्य साईं हॉस्पिटल अहमदाबाद उनके अभिभावक के साथ भेजा जाता है, जहां रहने, खाने,इलाज की सभी व्यवस्था के साथ ही हवाई जहाज के टिकट की निःशुल्क व्यवस्था की जाती है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के जिला समन्वयक रंजन कुमार मिश्रा ने कहा कि जिले के नरकटियागंज प्रखंड के 09, लौरिया 03, मझौलिया 02, बगहा -(1) से 01, बगहा -(2) से 03 योगापट्टी 02, चनपटिया 01, मैनाटांड 02, सिकटा 01 बच्चे जो जन्मजात ह्रदय रोग से ग्रसित थे इन्हे जिला स्वास्थ्य समिति बुलाकर एम्बुलेंस से पटना भेजा गया है, समन्वयक रंजन कुमार मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जीरो से 18 साल तक के बच्चों को इस योजना का लाभ दिया जाता है उन्होंने नंबर जारी करते हुए कहा की ह्रदय में छेद जैसी गंभीर समस्या हो तो जिला स्तर पर नंबर पर सम्पर्क करें। डीपीएम अमित अचल ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत 43 प्रकार की बीमारियों की जांच चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों व अन्य स्थानों पर कैंप लगाकर समय-समय पर की जाती है। जांच के दौरान कुछ बच्चों में ह्रदय रोग से संबंधित लक्षण दिखाई देने पर उन्हें जिले के अस्पताल में स्क्रीनिंग की जाती है। उसके बाद ह्रदय रोग से पीड़ित बच्चों को उनके माता-पिता और जरूरी कागजातों के साथ निःशुल्क एम्बुलेंस पटना और उसके बाद विमान से श्री सत्य साइ हॉस्पिटल, अहमदाबाद भेजा जाता है। उन्होंने बच्चों के अभिभावक से अपील करते हुए कहा की ऐसे बच्चों की जानकारी होने पर सरकारी अस्पताल या जिला स्वास्थ्य समिति के जिला समन्वयक रंजन कुमार से सम्पर्क करें। मौके पर एसीएमओ डॉ रमेश चंद्रा,लेखा प्रबंधक रणधीर सिँह, जिला समन्वयक रंजन कुमार,जिला स्वास्थ्य समिति के अन्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थें।

महाविद्यालय संस्थापक की मनायी गई पुण्यतिथि

बीएनएम। हरसिद्धि

महावीर रामेश्वर महाविद्यालय के भूमिदाता स्व रामेश्वर महतो की पुण्यतिथि शनिवार को कॉलेज परिसर में मनायी गई। इस दौरान आगत अतिथियों ने स्व रामेश्वर महतो की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने स्व महतो की जीवनी व महाविद्यालय के विकास में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। बता दें कि पूर्व जिप अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद के पिता स्व महावीर प्रसाद एवं पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद कुशवाहा के पिता स्व रामेश्वर प्रसाद ने इस महाविद्यालय के लिए भूमि दान दिया था। पुण्यतिथि समारोह में पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद कुशवाहा, पूर्व जिप अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, पूर्व मुखिया योगेन्द्र प्रसाद कुशवाहा, कृष्णार्जुन कुशवाहा, ई राकेश कुमार गुप्ता, नागर्जुन कुशवाहा, प्राचार्य शम्भू शरण प्रसाद, नरेश अग्रवाल, सोनेलाल प्रसाद, राकेश कुशवाहा, बिंदेश्वरी यादव, मनोज कुमार, सहित महाविद्यालय कर्मी व अन्य उपस्थित थे।

एसएसबी और नेपाली एपीएफ ने भारत-नेपाल सीमा पर किया संयुक्त पेट्रोलिंग

बीएनएम। बगहा

भारत -नेपाल सीमा सुरक्षा में गंडक बराज पर तैनात एसएसबी 21 वीं वाहिनी बी कंपनी एंव नेपाल एपीएफ के अधिकारी एवं जवानों ने शनिवार की सुबह संयुक्त रुप से पेट्रोलिंग के साथ-साथ इंडो-नेपाल सीमा से आने-जाने वाले सभी वाहनों में दो पहिया,चार पहिया वाहनों के आलावा पैदल आने-जाने वाले रांहगीरों का गहन जांच किया । गंडक बराज सीमा पर तैनात एसएसबी के सहायक कमाडेंट जयंत बोरा के नेतृत्व में इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार मंड़ल एंव एसएसबी के जवानों और नेपाल एपीएफ के जवानों के द्वारा गंडक बराज स्थित नो मैंस लैंड 18 नंबर फाटक सीमा पर संयुक्त रूप से पेट्रोलिंग की गई।नेपाल एपीएफ के नेतृत्व इंस्पेक्टर गणेश थापा ने किया। भारत-नेपाल की सीमा नदी के रास्ते खुली सीमा होने के कारण इसका फायदा असामाजिक तत्वो, शराब तस्कर, वन तस्कर और अपराधी प्रवृत्ति के लोग नहीं उठा सके, इस बातों को ध्यान में रखते हुए बॉर्डर क्षेत्र में भयमुक्त माहौल को बनाने के लिए यह ज्वाइंट पेट्रोलिंग समय-समय पर की जाती है। दोनों देशों के सीमा सुरक्षा बल के द्वारा सीमा क्षेत्र में नियमित गस्ती की जा रही है। इंडो-नेपाल की खुली सीमा होने के कारण इसका फायदा उठाकर नदी के रास्ते उपर्युक्त अपराधी तत्व प्रवेश नहीं कर सके। इसलिए सीमा क्षेत्र में पैनी निगाह रखी जा रही है तथा ज्वाइंट पेट्रोलिंग में जवानो के साथ खोजी कुत्ते की भी मदद ली जा रही है।इस संयुक्त पेट्रोलिंग में गंडक बराज पर तैनात एसएसबी 21 वीं वाहिनी की ओर से इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार मंड़ल आदि के आलावा एसएसबी के कई जवान शामिल थे। वही नेपाल एपीएफ की ओर से इंस्पेक्टर गणेश थापा आदि के अलावा नेपाल एपीएफ के कई जवान शामिल थे।

रानी लक्ष्मीबाई जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड का वार्षिक आम सभा संपन्न

बीएनएम। तुरकौलिया

रानी लक्ष्मी बाई जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड का वार्षिक आमसभा का आयोजन तुरकौलिया कार्यालय में किया गया। जहां समिति के सभी अंशधारी सदस्य पूर्ण उत्साह और सहभागिता के साथ उपस्थित थे। आमसभा की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष वीणा दीदी ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यालय संचालिका दीदी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रियंका कुमारी, दिग्विजय नारायण समदर्शी व प्रखंड परियोजना प्रबंधक द्वारा विधिवत रूप से दीप प्रज्वालित कर किया गया। साथ ही सामूहिक प्रार्थना व स्वागत गान के पश्चात सचिव दीदी द्वारा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान किए गए कार्यों, परियोजनाओं और वित्तीय प्रदर्शन की विस्तृत जानकारी दी गई। जहां सभी सदस्यों ने रिपोर्ट को सुना और सराहना करते हुए स्वीकृति प्रदान की 1 वही कोषाध्यक्ष दीदी द्वारा समिति की वर्तमान आर्थिक स्थिति, बचत, ऋण, और लाभांश वितरण से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की गई। सभी सदस्यों को समिति की आय-व्यय का विस्तृत विवरण भी दिया गया। इस वित्तीय वर्ष में कुल 7 लाख 33 हज़ार रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ है। आम सभा के दौरान सभी कुल 2009 अंशधारी सदस्यों को अपने सुझाव और विचार रखने का अवसर दिया गया। सदस्यों ने समिति की योजनाओं और भविष्य की कार्य योजनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए और कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे स्वास्थ्य, पोषण, कृषि पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही अगले वर्ष के लिए समिति की कार्ययोजना को सभी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जहां महिला स्वावलंबन को और सुदृढ़ करने के लिए नए कार्यक्रमों और योजनाओं का प्रारूप तैयार किया गया। सभी सदस्यों ने प्रस्तावित योजनाओं पर सहमति व्यक्त की। सभा का समापन अध्यक्ष द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। सभी अंशधारी सदस्यों को उनके सक्रिय सहयोग और समर्थन के लिए आभार प्रकट किया गया। इसके साथ ही समिति की निरंतर प्रगति और विकास के लिए सदस्यों को समर्पित रहकर काम करने की प्रेरणा दी गई। इस प्रकार रानी लक्ष्मीबाई जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड तुरकौलिया का वार्षिक आमसभा सफलतापूर्वक संपन्न हो गया।

छात्र समुदाय का प्रतिरोध उचित

किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उच्च शिक्षा संस्थानों में दाखिले के लिए राजनीतिक विचार-विमर्श में भाग ना लेने की शर्त कैसे थोपी जा सकती है? किसी विरोध में भाग ना लेने का वचन दाखिले से पहले ही कैसे लिया जा सकता है? भारत में अन्य स्थलों की तरह ही शिक्षा संस्थानों में भी असहमति या विरोध जताना जोखिम भरा हो चुका है, यह आम तुजर्बा है। लेकिन पूर्व शर्त के तौर पर दाखिले से पहले इस पर हामी भरवाना एक नई घटना के रूप में सामने आया है। इसे इस रूप में भी कहा जा सकता है कि अभी तक जो चलन व्यवहार में था, उसे अब लिखित एवं औपचारिक रूप दिया जा रहा है। खबर मुंबई स्थित टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टिस) से है। वहां लागू नए हॉनर कोड के तहत छात्रों को दाखिले से पहले यह वचन देना होगा कि वे किसी "राजनीतिक और व्यवस्था विरोधी गतिविधियों तथा देशभक्ति विहीन चर्चाओं" आदि में हिस्सा नहीं लेंगे। वे ऐसे प्रदर्शनों या धरना आदि में भाग नहीं लेंगे, जिनसे संस्थान के "शैक्षिक वातावरण में रुकावट" पड़ती हो। हॉनर कोड पर दस्तखत की रवायत 2017 में शुरू की गई थी, जिसमें अब नई शर्तें जोड़ी गई हैं। टिस एक मानित (डीम्ड) विश्वविद्यालय है। इसकी फंडिंग का एक बड़ा हिस्सा टाटा ग्रुप से आता है। इस संस्थान ने भारत में जातीय एवं अन्य अस्तमिता आधारित विमर्श को फैलाने में अहम भूमिका निभाई है। इससे जनमत के एक बड़े हिस्से में यह धारणा बनी कि यह प्रगतिशील विचारों का वाहक संस्थान है। मगर देश में बदले माहौल का असर वहां भी हुआ। हाल के वर्षों ऐसे कई घटनाएं हुई हैं, जिनसे पुरानी धारणा को चोट पहुंची। बहरहाल, ये सवाल सिर्फ किसी संस्थान विशेष का नहीं है। मुद्दा यह है कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी उच्च शिक्षा संस्थान में दाखिले के लिए राजनीतिक विचार-विमर्श में भाग ना लेने की शर्त कैसे थोपी जा सकती है? साथ ही किसी विरोध में भाग ना लेने का वचन दाखिले से पहले ही कैसे लिया जा सकता है? आखिर किसी भी संस्थान में, कभी कोई ऐसा मसला खड़ा हो सकता है, जिसका विरोध करना छात्र जरूरी समझें। विरोध की हर गतिविधि से सामान्य वातावरण में बाधा आती है। इसलिए हॉनर कोड की नई शर्तों के प्रति छात्र समुदाय का प्रतिरोध उचित है। बेहतर होगा कि प्रशासन इन्हें तुरंत वापस ले ले।

राजनैतिक दलों में परस्पर सम्मान क्यों नहीं?

पिछले दिन विनेश फोगट और पूनिया के कांग्रेस में शमिल होने पर भाजपा के प्रवक्ता कह रहे हैं कि पिछले साल पहलवानों का आन्दोलन बृजभूषण के खिलाफ कांग्रेस द्वारा प्रायोजित था । पहले भी खिलाड़ियों ने राजनैतिक दलों की सदस्यता ली है । गौतम गंभीर को सन् 2019 में दिल्ली से लोकसभा के लिए चुनाव लड़वाया गया था । राजवर्धन तो मंत्री भी रहे हैं । अनेक विभिन्न खेलों के खिलाड़ी किसी खास राजनैतिक दल के पक्ष में वक्तव्य दे चुके हैं । ज्यादातर खिलाड़ी सत्ता पक्ष के साथ रहते हैं । इससे उन्हें सुविधा मिलती है । यूं मोदी जी के कार्यकाल में खिलाडियों को काफी प्रोत्साहन मिला है । अब जीतने वाले खिलाडियों को करोड़ों में ईनाम मिलता है । विनेश फोगट के मन की टीस को कौन समझ सकता है । आज भाजपा, कांग्रेस तथा लेफ्ट पश्चिमबंगाल में हुये टेप काण्ड के बाद ममता बनर्जी का इस्तीफा मांग रहे हैं । क्या रेप घटना मात्र पश्चिम बंगाल में होती है? रोज तो किसी न किसी प्रदेश में ऐसी घटनाओं की खबर आती रहती है । भाजपा के एक मंत्री जो अपने को संत भी कहते थे, ऐसे आरोप सिद्ध होने के बाद त्यागपत्र दे गये । कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष के खिलाफ इन महिला पहलवानों ने घृणित आरोप लगाये हैं । तब इन प्रदर्शनकारियों के साथ कोई नहीं आया । पुलिस ने भी इनके साथ अन्याय किया । तो क्या इसका आक्रोश इन महिला खिलाड़ियों को नहीं होना चाहिए ? बृजभूषण का असर कम से कम पांच-छः लोकसभा सीटों पर है तो ये अब भी भाजपा के सदस्य हैं । असल में भारत में किसी भी राजनैतिक दल में आंतरिक स्वराज्य नहीं है । शायद सी.पी.एम. या सी.पी.आई. में हो । बी.एस.पी. में मायावती सर्वेसर्वा हैं । कांग्रेस में सोनिया गांधी सर्वेसर्वा हैं । खडग़े तो नाममात्र के अध्यक्ष हैं । किसी मीटिंग में बीच की कुर्सी पर राहुल गांधी बैठते हैं । सपा में अखिलेश यादव सर्वेसर्वा हैं । लाल प्रसाद प्रसाद अपनी पार्टी के सर्वेसर्वा हैं । जे.डी.यू. में नितीश कुमार शिवसेना की एक गुट के सर्वेसर्वा शिंदे हैं । दूसरे गुट के उद्धव ठाकरे । सभी लोग परिवारवाद की आलोचना करते हैं परन्तु तृणमूल कांग्रेस में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक की चलती है । उद्धव ठाकरे का बेटा मंत्री रहा है । अभी हरियाणा में वहां कम से कम आठ-दस उम्मीदवार वहां के प्रभावशाली नेताओं के पुत्र, पुत्री, माता या अन्य रिश्तेदार हैं । अब तो पार्टी में दरी बिछाने वाले कहने लगे हैं कि भाजपा में भी अब पैराशूट प्रत्याशी उतारे जाते हैं यानि दूसरी पार्टी से आये प्रत्याशी । भाजपा में अंतिम निर्णय मोदी जी का ही है । गांधी जी के भाषणों की एक किताब नवजीवन प्रेस ने छापी है । उसमें एक जगह गांधी जी पूछते हैं कि कांग्रेस का अध्यक्ष तो खादी पहनता है और तीसरे दर्जे में सफर करता है परन्तु कुछ प्रांतों के प्रधानमंत्री (तब मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री कहते थे) विलायती कपड़े पहनते हैं ।

आरबीआई और बैंकिंग क्षेत्र के बारे में गलत विमर्श का जवाब

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

साल 2013 में नरेन्द्र मोदी के देश की सत्ता संभालने से एक साल पहले मॉर्गन स्टेनली ने भारत को उभरती हुई पाँच कमजोर अर्थव्यवस्था में से एक के रूप में नामित किया था। इसे अपनी अर्थव्यवस्था चलाने के लिए विदेशी पूंजी पर निर्भरता और कई मामलों में महत्वपूर्ण चालू खाता घाटे के कारण नाजुक पाँच अर्थव्यवस्था के रूप में घोषित किया।

अधिशेष धन प्रदान करने की आरबीआई की नीति कैसे विकसित हुई- 1997 में आरबीआई के पूंजी ढांचे पर गौर करने की आवश्यकता थी ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि आरबीआई को अपनी परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में कितना आरक्षित रखना चाहिए। वी सुब्रह्मण्यम के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया गया। समिति ने अपनी परिसंपत्तियों का 12 फीसदी प्रस्तावित करते हुए एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। आरबीआई ने निष्कर्षों को स्वीकार नहीं किया। 2004 में उषा थोरातजी के नेतृत्व में एक और समूह ने आरबीआई के पूंजी ढांचे की समीक्षा के लिए बैठक की। समूह ने लगभग 18 प्रतिशत की सिफारिश की, जिसे आरबीआई ने स्वीकार नहीं किया। 2013 में वाई.एच. मालेगाम समिति ने सिफारिश की कि अतिरिक्त भंडार सरकार को दिया जाना चाहिए। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम सहित दुनिया भर में सामान्य मानदंड कुल संपत्ति का 8 फीसदी है। 2008 में यूएस फेड ने वित्तीय संकट के दौरान अमेरिकी बैंकों की मदद करने के लिए पर्याप्त मात्रा में भंडार आवंटित किया। इसलिए ऐसा कुछ भी नया नहीं है जिसे भारतीय सरकार अपने स्वार्थ के लिए अपने केंद्रीय बैंक से पूरा करवाना चाहती हो और हम सभी जानते हैं कि हमारे बैंकिंग क्षेत्र, विशेष रूप से सार्वजनिक उपक्रमों ने पिछले दशक में कैसा प्रदर्शन किया है। जब बड़े पैमाने पर कर चोरी के कारण राजस्व संग्रह कम होता है और रोजगार सृजन और सामान्य विस्तार (5 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी का लक्ष्य) के माध्यम से सुविधाओं के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने की आवश्यकता होती है तो सरकार को धन की आवश्यकता होती है। आखिरकार, आरबीआई का पैसा भी लोगों का पैसा है। तो सरकार इसका उपयोग क्यों नहीं कर सकती? कई साल पहले, सरकार ने सभी बैंकों से कृषि क्षेत्र में ऋण देने के लक्ष्य को पूरा करने को कहा था और किसी भी कमी का भुगतान सरकार के माध्यम से राज्यों में ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश के लिए नाबार्ड को किया जाना था। इस निर्देश से कई गांवों को लाभ हुआ। प्रमुख अर्थशास्त्री और आरबीआई के पूर्व गवर्नर बिमल जालान समिति की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्र निर्माण के लिए आरबीआई द्वारा केंद्र सरकार को आरक्षित धन का एक हिस्सा हस्तांतरित करना उचित है।

केंद्र सरकार को आरबीआई का लाभांश- भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये का लाभांश दिया। यह एक साल पहले की राशि से दोगुने से भी अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 47 (अतिरिक्त लाभ का आवंटन) के अनुसार अधिशेष या व्यय पर आय की अधिकता को सरकार को हस्तांतरित करता है। अधिनियम की धारा 47 के अनुसार, केंद्र सरकार को खराब ऋण, मूल्यह्रास और अन्य खर्चों में कटौती के बाद शेष आय प्राप्त होगी। अधिकांश देशों में यही स्थिति है; अमेरिकी फेडरल रिजर्व, बैंक ऑफ जापान, बैंक ऑफ इंग्लैंड और जर्मन बुंडेसबैंक के कानून स्पष्ट रूप से कहते हैं कि आय का भुगतान सरकार या राजकोष को किया जाना चाहिए। अधिशेष और लाभांश गणना बिमल जालान समिति द्वारा अनुशंसित आर्थिक पूंजी ढांचे (ईसीएफ) पर आधारित थी। समिति ने सिफारिश की कि आरबीआई अपनी बैलेंस शीट का 5.5 से 6.5 प्रतिशत का आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) बनाए रखे। बैंकों का सकल एनपीए 2018 में 11.25 प्रतिशत से गिरकर सितंबर 2023 में 3 फीसदी हो गया, जबकि ऋण वृद्धि लगभग 15 फीसदी रही। वित्त वर्ष 24 में बैंकिंग क्षेत्र का मुनाफा 39 फीसदी बढ़कर 3.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। सूचीबद्ध सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 20 में 2.2 लाख करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 23 में 39 फीसदी बढ़कर 3.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। जहां सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इस वर्ष 1.4 लाख करोड़

रुपये का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 34 फीसदी अधिक है, वहीं निजी क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ 1.7 लाख रुपये रहा, जो पिछले साल के 1.2 लाख करोड़ रुपये से 42 फीसदी अधिक है। एक दशक पहले, भारतीय रुपया एशिया की सबसे अस्थिर मुद्राओं में से एक था। रुपये की वैश्विक मौजूदगी बढ़ाने से इसके मूल्य को स्थिर करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, आरबीआई भविष्य में होने वाले निवेश को बेहतर तरीके से संभालने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करने की अपनी क्षमताओं में सुधार कर रहा है। 2014 में अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण राजकोषीय और चालू खाता घाटे और दोहरे अंकों की मुद्रास्फीति से ग्रस्त थी। अब, मुद्रास्फीति नियंत्रण में है, राजकोषीय घाटा नीचे की ओर जा रहा है और चालू खाता घाटा जीडीपी का मुश्किल से 1 फीसदी से अधिक है और विदेशी मुद्रा भंडार लगभग ग्यारह महीने के आयात को कवर करता है। यह कमजोरी से स्थिरता और ताकत की यात्रा रही है। यहां दो बिंदुओं को उजागर करना आवश्यक है। सरकार के कोविड प्रबंधन और टीकाकरण रिकॉर्ड ने अर्थव्यवस्था के तेजी से उबरने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी तरह, पिछले दो वर्षों में उचित कीमतों पर कच्चे तेल की आपूर्ति का प्रभावी प्रबंधन उल्लेखनीय है। मनुष्य अदृश्य की सराहना करने में असमर्थ हैं- गलतियाँ नहीं की गईं और जोखिमों से बचा गया, फिर भी प्रतितथ्य हमारे चारों ओर हैं। जैसा कि सरकार अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और वित्तीय बहिष्कार जैसे दीर्घकालिक मुद्दों को संबोधित करती है, आकांक्षाएं बढ़ती हैं और उम्मीदें ऊपर की ओर बढ़ती हैं। सरकार और आरबीआई के सक्रिय मुद्रास्फीति प्रबंधन ने मुद्रास्फीति में वृद्धि को काफी हद तक कम कर दिया है। दूसरे वैश्विक झटके, यूक्रेन की स्थिति के कारण वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में पहली बार पद संभाला था, उस समय भारतीय अर्थव्यवस्था विशेष रूप से उत्साहजनक नहीं थी। भारतीय अर्थव्यवस्था कठिन दौर से गुजर रही थी। इसके परिणामस्वरूप लगातार दो वर्षों अर्थात् 2012-13 और 2013-14 के लिए स्थिर कीमतों पर कारक लागत पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 5 फीसदी से कम रही। खाद्य उत्पादों में डब्लूपीआय मुद्रास्फीति, जो 2013-14 में समाप्त होने वाले पाँच वर्षों में औसतन 12.2 फीसदी वार्षिक थी, गैर-खाद्य मुद्रास्फीति से उल्लेखनीय रूप से अधिक थी। पांच प्रतिशत से कम विकास को प्रभावित करने वाले तत्वों में से एक। यह सुझाव देने के लिए पर्याप्त से अधिक वास्तविक सबूत हैं कि यूपीए काल के दौरान बैंक ऋण की गुणवत्ता खराब हो गई थी, सरकार के अनुकूल कॉर्पोरेट्स को बड़े ऋण दिए गए थे, बिना ऐसे ऋणों की आवश्यकता या उधारकर्ताओं की उन्हें चुकाने की क्षमता पर उचित परिश्रम किए। संक्षेप में, भारत की 'मिशन मोड' रणनीति, बढ़ती कठिनाइयों पर काबू पाने के लिए देश को वर्तमान और आने वाली समस्याओं से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में है। आरबीआई की बढ़ती वैधता मुद्रास्फीति को कम करने से मुद्रास्फीति संबंधी उम्मीदें स्थिर होंगी, जिसके परिणामस्वरूप स्थिर ब्याज दर होगी। उद्यमों और जनता के लिए क्रमशः दीर्घकालिक निवेश और व्यय निर्णय लेने के लिए माहौल बनेगा।

बच्चों के अस्तित्व पर स्वच्छ भारत मिशन का प्रभाव

विनोद के. पॉल

स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक बुनियादी उपाय है। स्वच्छता से डायरिया, हैजा, टाइफाइड, हेपेटाइटिस, कृमि संक्रमण एवं मलाशय संबंधी रोग जैसी जल-जनित बीमारियों के साथ-साथ कुपोषण का खतरा कम हो जाता है। वर्ष 2012 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया था कि स्वच्छता में निवेश किए गए प्रत्येक अमेरिकी डॉलर के एवज में स्वास्थ्य संबंधी लागत में कमी, अधिक उत्पादकता और असामयिक मौतों में कमी के रूप में 5.5 अमेरिकी डॉलर के बराबर का लाभ मिलता है। भारत में स्वच्छता का इतिहास बहुत पुराना है और इसकी शुरुआत उस सिंधु घाटी सभ्यता से होती है, जहां शौचालय निर्माण एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग किया जाता था। हमारे शास्त्रों में कहा गया है- स्वच्छे देहे स्वच्छचित्तं, स्वच्छचित्ते स्वच्छज्ञानम् यानी स्वच्छ शरीर में शुद्ध मन का निवास होता है और शुद्ध मन में सच्चे ज्ञान का निवास होता है। इस समृद्ध विरासत के बावजूद, व्यापक स्वच्छता की दिशा में भारत की यात्रा चुनौतियों से भरी रही है। वर्ष 1981 की जनगणना के समय तक, मात्र एक प्रतिशत ग्रामीण घरों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध थी। इस हकीकत ने भारत सरकार द्वारा विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रमों- केन्द्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम, संपूर्ण स्वच्छता अभियान और निर्मल भारत अभियान- के शुभारंभ का मार्ग प्रशस्त किया। इन सभी कार्यक्रमों की सहायता से ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता कवरेज 39 प्रतिशत तक पहुंच गया। दुनिया भर में होने वाले खुले में शौच का लगभग 60 प्रतिशत बोझ भारत पर था। यहां 50 करोड़ से अधिक लोग खुले में शौच करते थे। हमारी महिलाओं के सामने अंधेरे में अपनी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने और अपनी गरिमा एवं सुरक्षा बनाए रखने की दुविधा थी। इसी पृष्ठभूमि में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच वर्षों में ग्रामीण भारत को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाने के लक्ष्य के साथ 2014 में स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की शुरुआत की थी। भारत ने 2 अक्टूबर 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन पांच महत्वपूर्ण वर्षों के दौरान, ग्रामीण स्वच्छता कवरेज बढ़कर शत-प्रतिशत हो गया। इस मिशन के तहत, 2014 से 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सार्वजनिक निवेश के साथ 11.7 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। यह महज परिसंपत्ति निर्माण की एक कवायद भर नहीं थी, बल्कि यह एक ऐसा राष्ट्रव्यापी आंदोलन था जिसने व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित एक ठोस क्रांति के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को मिलाकर एक अरब से अधिक लोगों को प्रेरित किया। इसकी पहचान एक जन आंदोलन के तौर पर थी और यह शायद व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित दुनिया की सबसे बड़ी कवायद थी। बच्चों, महिलाओं, पुरुषों, समुदाय के नेताओं, नागरिक समाज और सरकारी मशीनरी ने एकजुट होकर काम किया। स्वच्छता से जुड़े संदेश हर माध्यम से लोगों तक पहुंचे। मशहूर हस्तियों ने इस सामूहिक सुर में सुर मिलाया। ग्राम-स्तर के स्वयंसेवक (स्वच्छाग्रही) ज़मीनी स्तर पर परिवर्तन के चैंपियन बन गए। प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों, बैठकों, मन-की-बात में किए जाने वाले वार्तालापों और स्थानों एवं परिसरों की सफाई के आदर्श कार्यों के माध्यम से देश का नेतृत्व किया और लोगों को प्रेरित किया। एसबीएम चरण-1 की सफलता के बाद, चरण-2 की शुरुआत की गई। इस चरण का उद्देश्य ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, परिदृश्य स्वच्छता और समग्र ग्रामीण स्वच्छता के व्यापक पहलुओं का समाधान करते हुए ओडीएफ संबंधी उपलब्धियों को बनाए रखना है। वर्ष 2024-25 तक, सभी गांवों को स्थायी तौर-तरीकों और बेहतर स्वच्छता की विशेषता से लैस ओडीएफ प्लस मॉडल में बदलने का लक्ष्य है। इस मिशन का अगला लक्ष्य संपूर्ण स्वच्छता है- जिसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक, समुदाय और संस्थान की ओर से निरंतर समर्पण की आवश्यकता होगी। शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका नेचर में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन सार्वजनिक स्वास्थ्य पर एसबीएम के व्यापक प्रभाव को रेखांकित करता है, खासकर शिशु मृत्यु दर को कम करने के मामले में। स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण और शिशु मृत्यु दर शीर्षक वाले इस अध्ययन में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) के रुझानों से संबंधित 10 वर्षों की अवधि (2011-20) में 35 भारतीय राज्यों और 640 जिलों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। लेखकों ने शौचालय की बढ़ती सुलभता और बाल मृत्यु दर में गिरावट के बीच एक मजबूत संबंध का दस्तावेजीकरण किया है। इस अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि एसबीएम के बाद जिला स्तर पर शौचालयों की सुलभता में प्रत्येक 10 प्रतिशत अंक की वृद्धि से जिला स्तर पर आईएमआर में 0.9 अंक और यू5एमआर में औसतन 1.1 अंक की कमी आई है। एक सीमा प्रभाव का भी सबूत है, जिसमें जिला स्तर पर 30 प्रतिशत (और उससे अधिक) का शौचालय कवरेज आईएमआर में 5.3 अंक और प्रति हजार जीवित जन्मों पर यू5एमआर में 6.8 अंक की कमी के समतुल्य है। लेखकों का अनुमान है कि एसबीएम के कारण बड़े पैमाने पर शौचालय की सुलभता ने सालाना 60,000- 70,000 शिशु मृत्यु को रोकने में योगदान दिया है। हालांकि, यहां इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि यह मात्र प्रभाव संबंधी अध्ययन भर नहीं है, जो एसबीएम की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (2018) के अनुसार, 2014 और 2019 के बीच डायरिया से होने वाली 3,00,000 से अधिक मौतों को रोकने में एसबीएम की अहम भूमिका रही है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (2017) ने बताया कि गैर-ओडीएफ गांवों की तुलना में ओडीएफ वाले इलाकों के बच्चों में वेस्टिंग के मामले 37 प्रतिशत कम थे, जो इस बात की पुष्टि करती है कि स्वच्छता कैसे बचपन के पोषण पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। ओडीएफ गांवों के बच्चों में डायरिया के मामले लगभग एक तिहाई कम थे। वर्ष 2017 में एक अध्ययन में, यूनिसेफ ने अनुमान लगाया कि 93 प्रतिशत महिलाएं घर में शौचालय उपलब्ध होने के बाद सुरक्षित महसूस करती हैं, जो महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा को बढ़ाने में एसबीएम की भूमिका को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, इस अध्ययन में किए गए आर्थिक विश्लेषण से पता चला कि ओडीएफ गांवों में प्रत्येक परिवार ने स्वास्थ्य संबंधी देखभाल की अपेक्षाकृत कम लागत और बचाए गए जीवन के आर्थिक मूल्य एवं समय की बचत की दृष्टि से सालाना लगभग 50,000 रुपये की बचत की। स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के बीच के संबंध को देखते हुए, एसबीएम से हासिल हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी लाभ अपरिहार्य हैं। हाल के अध्ययन से हमें जो जानकारी मिली है, वह शौचालय की सुलभता के कारण बच्चों के जीवित रहने की संभावनाओं में सुधार का एक ठोस परिमाण है। राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता से संबंधित बदलाव निश्चित रूप से वयस्कों में जल-जनित संक्रमण को कम करने के साथ-साथ संभवतः रोगाणुरोधी प्रतिरोध के बोझ को भी कम करने में प्रभाव डालेगा।

मेष राशि-आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रूका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप समाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। आज परिस्थितियों को ठीक से देखेंगे तो हर एक समस्या को हल कर पाएंगे। जिन लोगों की संगत में आप नकारात्मक बन रहे हैं, फिलहाल उन लोगों से दूरियां बनाने का विचार करेंगे। किसी जरूरी काम से की गई यात्रा सुखद रहेगी।

वृष राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। आज अपने काम को आसान तरीके से करने का रास्ता मिल सकता है। नई योजना पर काम शुरू हो सकता है। परिवार की जिम्मेदारी सही तरीके से निभाएंगे, जिससे प्रसन्नता बनी रहेगी।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका कोई रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीको पर विचार करेंगे। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आज अपनी इच्छा शक्ति के बल पर योजनाओं पर काम कर पाएंगे। जो बातें आपको बेहतर बनाती हैं, केवल उन पर ध्यान दें और खुद को सुधारें।

कर्क राशि-आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुये धन लाभ से आज अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। दाम्पत्य जीवन में और मधुरता आएगी। आज गलत विचारों को दूर करके खुद में सुधार करेंगे और गलत संगत से बचेंगे। आज क्रोध को नियंत्रित करने की कोशिश करें। स्वभाव की नकारात्मक बातों को सुधारने की कोशिश करें। काम की जगह नए अवसर मिलेंगे। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल होगी।

सिंह राशि-आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगें। आज काम के हिसाब से फल मिलेंगे। जिस बड़े लक्ष्य को पूरा करने की इच्छा है, उससे संबंधित रास्ता मिलेगा। आपके काम पर अंतिम परिणाम निर्भर करेगा।

कन्या राशि-आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे छात्रों का समय अनुकूल है मेहनत के अच्छे परिणाम आपको हासिल होंगे। आज शाम को किसी मित्र की बर्थडे पार्टी में जायेंगे जहाँ आपके अन्य दोस्त भी होंगे। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है, शत्रु पक्ष आपकी योजनाओं से प्रभावित होंगे।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव साराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है, इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। आज आपको बेकार की उलझन लेने की जरूरत नहीं है।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे। आपको काफी समय से चल रही किसी स्वास्थ्य समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आज किसी भी व्यक्ति के लिए प्रतिशोध की भावना न रखें। जैसी आपकी सोच रहेगी, वैसे ही अनुभव मिलेंगे। अपनी नकारात्मकता के कारण किसी भी व्यक्ति के साथ गलत व्यवहार न हो, इस बात का ध्यान रखें। आज आपको जिद से बचना होगा।

धनु राशि-आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज का दिन तरक्की के नये मार्ग खोलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें, जल्द ही आपको परीक्षा में सफलता हासिल होगी। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों को आज प्रमोशन मिल सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। पैसों का उपयोग सही तरीके से करेंगे। जीवन में संतुलन बनाए रखेंगे और कुछ बातों में बदलाव होने में समय लगेगा। आज किसी कामों को सही तरीके से पूरा करने की कोशिश करें।

कुंभ राशि-आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज व्यापार में अच्छा लाभ मिलने से उनकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा। आपका किसी नए वाहन को खरीदने का सपना आज पूरा होगा। आज आप किसी से अपने मन की बातों को शेयर करेंगे और वह आपकी बातों को अहमियत देंगे। परिवार में लोग आपकी बातों का पूरा मान रखेंगे।

मीन राशि-आज का दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आएगा। आज आप अपना ध्यान किसी रचनात्मक कार्य में लगायेंगे जिससे आपका अनुभव और अधिक बढ़ेगा। कुछ लोग आपके काम में रूकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं। आपको अपना स्वभाव सुधारना होगा।

शब्द सामर्थ्य -178

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

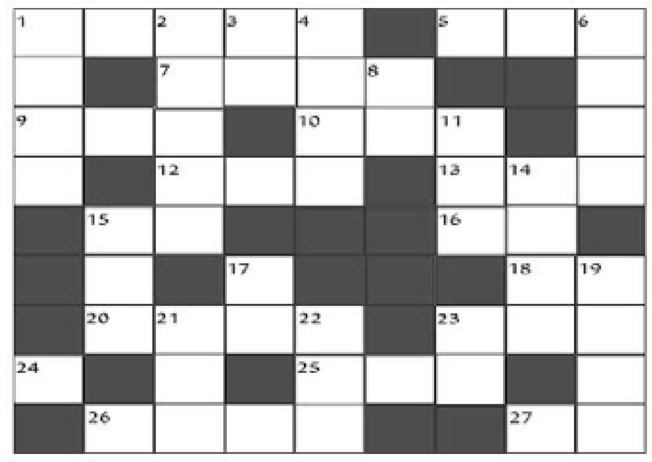

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 177 का हल

सूडोकु नवताल- 7189

★★★★☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7188 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

बच्चों को डॉगी खूब भाते हैं। डॉगी के छोटे-छोटे पप्पीज का तो कहना ही क्या। छोटे पप्पीज के साथ खेलना, उनके साथ पार्कों में घूमना, गेंद खेलना यह सब बच्चों के लिए फेवरेट गेम होता है। कभी वे मम्मी-पापा से नजरें बचा कर उन्हें घर में भी ले आते हैं। डॉगी सिर्फ बच्चों के खेलने की वस्तु नहीं, अपितु हमारे साथी और घरों के रक्षक भी होते हैं। डॉगी भावनाओं को पहचानने में बहुत तेज होते हैं। मालिक के सुख-दुख को समझते हैं और सदा उनके साथ रहते हैं।

साथी भी और सेवक भी हैं डॉगी

डॉग को मनुष्यों का साथी माना जाता है। पुराने जमाने से ही यह हमारे जीवन का अभिन्न अंग बना रहा है। अब हाई-फाई मार्डर्न सोसायटी के लोग हों या गरीब, डॉगीज को रखने में कोई भी पीछे नहीं। दुनिया में लगभग 500 प्रजातियों के डॉग पाए जाते हैं। इन सभी की खासियत अलग-अलग है। जानते हैं इनमें से प्रमुख प्रजातियों के बारे में।

इंसान सामाजिक प्राणी है। वह अपनी जरूरतों के लिए एक - दूसरे से जुड़ा होता है। सिर से पांव तक की जरूरतों के लिए उसे दूसरे इंसान या जीव पर निर्भर होना पड़ता है। इन्हीं जरूरतों ने दोस्त बनाने की शैली का विकास किया। जरूरी नहीं कि इंसान के दोस्त सिर्फ इंसान ही हों। मनुष्य दूसरे जीवों से भी दोस्ती करता है। वह दूसरे जीवों को पालता है ताकि उसकी जरूरतें पूरी हो सकें। साथ ही उन जीवों के साथ एक भावनात्मक बंधंन में भी बंध जाता है। इंसानों के साथ जीवों का बंधन पाषाण काल से ही चला आ रहा है। गाय, बैल, भैंस, घोड़ा, हाथी, बकरी, भेड़, मुर्गी, खरगोश, बिल्ली, बत्तख, तोता और कुत्ता आदि इन जीवों में प्रमुख हैं। इनमें बहुत से जीवों से वे आहार भी लेते हैं। हालांकि, अब हाथी-घोड़ों को पालना आम नहीं है, पर बाकी जीव भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए रीढ़ का काम करते हैं। कुछ जीव जैसे- कुत्ता (डॉगी), बिल्ली, खरगोश और तोता शहरों में भी पाले जाते हैं। ये गरीब और अमीर दोनों के घरों की शोभा बढ़ाते हैं। डॉगी को सुरक्षा और उसके वफादारी के लिए भी लोग उसे घर में रखते हैं। आदिकाल में भी लोग जंगली जानवरों से सुरक्षा के लिए डॉगी को साथ रखते थे। रात में जब वे जंगलों में सो रहे होते थे, तब डॉगी उनके पास ही उनकी रखवाली करता था और जैसे ही किसी जंगली जानवर के पास आने की भनक उसे लगती वह भौंकना शुरू कर देता, जिससे उसका मालिक सचेत हो जाता था। यह परंपरा वह आज भी बड़े ही वफदारी से निभा रहा है।

डॉगी की प्रजातियां

विश्व में लगभग 500 डॉगीज की प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें से 90 प्रतिशत भारत में पाई जाती हैं। भारत में पाए जाने वाले प्रजातियों में जर्मन शेफर्ड, गोल्डेन रीट्रीवर, कॉकर स्पेनियल, पॉमेरियन, बॉक्सर, पग, सेंट बनार्ड, डॉबर मैन, लेबरा डॉग आदि प्रमुख हैं।

पग – यह बड़ा ही प्यारा डॉगी है। इसकी शोहरत हच कंपनी के ऐड बाद बहुत बढ़ गई थी। आज भी इसका क्यूट चेहरा देखते ही इसे पुचकारने का मन करता है। पग को काफी इंटेलिजेंट और फ्रेंडली डॉगी माना जाता है। यह मोटा ही पैदा होता है, इसलिए इसके खाने पर बहुत ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है। यह हिरणों के रंग का और सफेद होता है।

पॉमेरियन – इसे भारत में झबला कुत्ता भी कहते हैं, क्योंकि इसके पूरे बॉडी पर बड़े-बड़े बाल होते हैं। यह बहुत ही इंटेलिजेंट और सेंसिबल माना जाता है। यह काफी सतर्क और चेहरे के भाव को पढ़नेवाला डॉगी है। पग की तरह ही इसकी हाइट भी कम होती है।

जर्मन शेफर्ड – भारत में इस ब्रीड के डॉगी की मांग ज्यादा है। सिक्योरिटी फोर्सेज में भी इस प्रजाति का प्रयोग किया जाता है। इसके लिए 'डॉग शेल' बनाया जाता है, जहां इन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। जर्मन शेफर्ड भी मूल रूप से जर्मनी की प्रजाति है। इसकी औसत ऊंचाई 24 से 26 इंच होती है। यह गहरे भूरे रंग के शेड में पाया जाता है।

गोल्डेन रिट्राइवर – इसका ओरिजन ब्रिटेन है। यह बड़े साइज का डॉगी है, जिसकी औसत ऊंचाई 26 इंच के होती है। गोल्डेन रिट्राइवर के बाल बड़े होते हैं और उसके बॉडी से लेकर पैर तक झूलते हैं। उसके बाल उसके खूबसूरती का हिस्सा भी हैं। यह सुनहरे और हल्के सुनहरे रंग का होता है। यह काफी चौकन्ना और सतर्क माना जाता है। यह खेल-कूद में भी आगे रहता है, इसलिए लोगों के मनोरंजन का केंद्र भी बना रहता है।

डोबरमैन पिनस्चर – यह जर्मनी मूल का डॉगी है। यह भी बड़े साइज का होता है, पर यह पतला-दुबला किंतु काफी एक्टिव माना जाता है। यह बहुत ही सतर्क होने के साथ ही आज्ञाकारी भी होता है। इस कारण लोग इसे सेफ्टी के लिए भी पालते हैं। यह सफेद, लाल, नीला आदि रंग का होता है।

गुलाबी दिखने वाली झील

दोस्तों, तुमने झीलें तो बहुत सारी देखी होंगी, लेकिन क्या तुमने ऐसी झील देखी है, जिसके पानी का रंग गुलाबी है। पानी का रंग अगर गुलाबी हो, तो उसे बस निहारने का मन करता है। विश्व में ऐसी 8 झीलें हैं, जो देखने मे बहुत ही प्यारी लगती हैं। ये झीलें टूरिस्टों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। आओ आज जानते हैं कुछ ऐसी ही झीलों के बारे में ऐसी बातें, जो दूसरों से अलग हैं।

लेक हिलर

लेक हिलर ऑस्ट्रेलिया में समुद्र किनारे स्थित है। यह 600 मीटर में फैली छोटी और बेहद सुंदर झील है। विशेष प्रकार के शैवाल के कारण इसका रंग गुलाबी है। दूसरी अन्य झीलों के मुकाबले यह बहुत ही छोटी दिखती है।

पिंक लेक रेतबा

यह झील सेनेगल में है। इसका आकार 3 वर्ग किमी है। यह देखने में बहुत ही सुंदर और अद्भुत है। इसमें नमक की मात्रा अधिक होती है, इसलिए यहां रहने वाले लोगों को नुकसान न हो, इसलिए लोग नेचुरल बटर से शरीर को कोट कर लेते हैं। इस झील का रंग सूर्य की रोशनी के साथ बदलता रहता है। उगते सूर्य के साथ इसको देखना बहुत ही अनोखा नजारा होता है। इस समुद्र से निकलने वाला नमक यहां के लोगों के आय का मुख्य स्त्रोत है।

पिंक हट लगून

यह झील भी ऑस्ट्रेलिया में स्थित है। यह झील हट नदी के पास स्थित है इसलिए इसका नाम पिंक हट लगून रखा गया है। सलाइन वाटर में खास प्रकार के शैवाल होने के कारण इसका रंग गुलाबी होता है। समुद्र किनारे होने के कारण यहां हाईटाइड उठता रहता है और पानी को झील की ओर धकेलता है। इस कारण यहां का पानी खारा होता है।

पिंक लेक ऑस्ट्रेलिया

यह झील 4 किमी में फैला हुई है। यह साल भर गुलाबी नहीं रहती है। यह लगभग चीन के रेड बीच जैसी है। जब सूर्य की रोशनी पड़ती है तब शैवाल के रंग में बदलाव के कारण इसका रंग गुलाबी हो जाता है।

पिंक लेक स्पेन

इस झील का नाम सलीना-दे-टोरेवियेजा है। सलीना का मतलब ही होता है- अलग प्रकार का शैवाल। इसमें नमक की मात्रा अन्य पिंक लेक के मुकाबले कम होती है। इसके कारण यहां का वातावरण शुद्ध और स्वच्छ होता है। यह पृथ्वी पर सबसे स्वच्छ जगह मानी जाती है।

डस्टी रोज लेक

यह झील कनाडा में स्थित है। इस झील में किसी प्रकार का शैवाल नहीं बनता है, लेकिन फिर भी यह सालभर गुलाबी रहती है। कहा जाता है कि अंडरग्राउंड ग्लेशियर के कारण जो मिनरल और अन्य धातु इकट्ठी होती हैं, उनकी वजह से इसका रंग गुलाबी रहता है। यह टूरिस्ट को आकर्षित करती है।

मसाजिर लेक

यह झील अजरबैजान (पश्चिमी एशिया व पूर्वी यूरोप के मध्य) में स्थित है। यह झील इस देश का व्यापारिक केंद्र है। इसके आस-पास कई सारी फैक्टरी हैं। प्रतिवर्ष झील से कई मिलियन टन नमक का व्यापार होता है।

पिंक लेक क्वेरेडिंग

यह झील भी ऑस्ट्रेलिया में स्थित है। यह छोटा-सी झील हमेशा गुलाबी रहती है। इसके कुछ भाग हैं, जो बिल्कुल महरून दिखते हैं। यह झील अन्य झीलों की तरह ज्यादा प्रसिद्ध नहीं है, लेकिन यह घूमने के लिए बहुत अच्छी जगह है।

गोलू की साइकिल

गोलू का पांचवीं कक्षा का रिजल्ट आया था। इस बार उसने अपने स्कूल में टॉप किया था। उसकी इस सफलता पर घर में सब लोग खुश थे। रिजल्ट आने से पहले गोलू के पापा ने उससे वायदा किया था कि अगर इस साल वह क्लास में फर्स्ट आया तो उसे छोटी वाली फैंसी साइकिल खरीदकर देंगे।

पापा ने अपना वायदा निभाया और रिजल्ट आते ही गोलू के लिए एक छोटी वाली फैंसी साइकिल खरीद दी। साइकिल पाकर गोलू की खुशी का ठिकाना ना रहा। अब वह दिन-रात अपनी साइकिल की ही सेवा में लगा रहता। उसकी साफ-सफाई से लेकर रख-रखाव तक हर बात का ख्याल रखता। मजाल कि साइकिल पर कहीं खरोंच भी लग जाए या उसके पहियों में हवा थोड़ी भी कम रह जाए। साइकिल पर बैठता तो उसे लगता कि वह किसी हवाई जहाज पर सवार है। रात को सोने से पहले वह अच्छी तरह साइकिल को चेक करता और सुबह उठता तो उसकी पहली चिंता साइकिल को लेकर ही रहती।

स्कूल से लौटकर वह रोज शाम को अपनी साइकिल पर बैठकर पार्क में खेलने जाता। खेलते समय उसके साथी उसकी साइकिल की खूब तारीफ करते। वह खुश होता तो उन्हें भी अपनी साइकिल पर बैठाकर घुमाता। कोई जबरदस्ती करता तो उससे झगड़ा भी हो जाता। ऐसा एक नहीं कई बार हुआ। इससे उसके कई साथी उससे चिढ़ाने भी लगे और 'बड़ा आया साइकिल वाला' कहकर उसे चिढ़ाने लगे। लेकिन गोलू पर इन बातों का कोई असर नहीं हुआ।

एक दिन शाम को गोलू अपनी साइकिल लेकर पार्क में खेलने गया। वहां उसके दूसरे दोस्त क्रिकेट खेल रहे थे। गोलू को भी उन्होंने अपने साथ क्रिकेट खेलने को कहा। गोलू खुशी-खुशी राजी हो गया। गोलू ने अपनी साइकिल चुपचाप एक किनारे खड़ी कर दी और सबके साथ क्रिकेट खेलने लगा। क्रिकेट में वह ऐसा रमा कि फिर अपनी साइकिल का उसे ख्याल ही नहीं रहा। खेल खत्म होने पर उसे अपनी साइकिल की याद आई। लेकिन यह क्या?

साइकिल अपनी जगह पर नहीं थी। उसने इधर-उधर बहुत खोजा पर साइकिल नहीं मिली। अब उसे रोना आने लगा। देर तक वह पार्क में बैठा रोता रहा। घर भी वह रोते-रोते ही लौटा। मम्मी-पापा ने उसे बहुत समझाया। उसे नई साइकिल लाकर देने का वायदा भी किया, लेकिन गोलू को अपनी साइकिल भुलाए नहीं भूल रही थी। उस रात उसने खाना भी नहीं खाया और रोते-रोते ही सो गया। रात में उसे सपना आया। सपने में दादी आईं। दादी ने उसे बताया कि उसकी साइकिल किसी और ने नहीं, उसके दोस्तों ने ही चुराई है। वे तुम्हारे घमंड के लिए तुम्हें सबक सिखाना चाहते थे। लेकिन चोरी बुरी बात है। चोरी करने वाले को रात में भूत लग जाते हैं। अब यह तुम्हारे ऊपर है कि तुम यह बात अपने दोस्तों को कैसे समझा पाते हो। सुबह गोलू जब उठा तो उसे रात का सपना हू-ब-हू याद था। उसे अपनी गलती का एहसास हो गया था। वह अपने दोस्तों से अपनी गलती के लिए माफी मांगना चाहता था। लेकिन कैसे? यह उसकी समझ में नहीं आ रहा था। तभी उसे एक आइडिया आया। उसने फौरन अपनी पेंसिल और नोटबुक निकाली। नोटबुक में उसने लिखा- दोस्तों, कल शाम पार्क में खेलते हुए मेरी साइकिल खो गई। मैं इस साइकिल पर अपने सभी साथियों को घुमाना चाहता था, लेकिन अब कैसे घुमाऊंगा। मुझे अपनी साइकिल की बहुत याद आ रही है। कल रात मेरी दादी ने मुझे सपने में बताया कि जिस किसी ने भी मेरी साइकिल चुराई है, उसे रात में भूत आएंगे। अगर उसे भूत से बचना है तो मेरी साइकिल मुझे लौटा दे। हां, वायदा करता हूं कि अब मैं सभी को अपनी साइकिल पर घुमाऊंगा। - गोलू। गोलू ने यह पर्चा पार्क के नोटिस बोर्ड पर जाकर लगा दिया और उदास मन से घर लौट आया। उस दिन स्कूल में भी उसका मन नहीं लगा। शाम को वैसे ही वह घर लौटा और कपड़े बदल कर पार्क में खेलने चला गया। पार्क में उसका पर्चा नोटिस बोर्ड पर वैसे ही लगा हुआ था। लेकिन उसकी साइकिल का कहीं पता नहीं था। आज उसका खेलने में बिल्कुल मन नहीं लगा। अपनी प्यारी साइकिल की याद में उसे बार-बार उसे रोना आ रहा था। उस रात घर आकर खाना भी उसने बड़े बेमन से खाया। रात भर उसे अपनी साइकिल के ही सपने आते रहे। सुबह उठा तब भी वह उदास था। अपनी साइकिल मिलने की उसे कोई उम्मीद नहीं थी। फिर भी बुझे मन से वह पार्क की तरफ जाने लगा। पार्क में पहुंचकर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसकी प्यारी साइकिल एक पेड़ के नीचे खड़ी था। उसे अपनी आंखों पर भरोसा नहीं हो रहा था। दौड़कर वह अपनी साइकिल के पास पहुंचा और उससे लिपट गया। उसकी आंखों में आंसू आ गए, लेकिन ये खुशी के आंसू थे। खैर...साइकिल तो उसे मिल गई थी, लेकिन यह पता नहीं चल पाया कि जिसने साइकिल चुराई थी, उसे रात में भूत आया था या नहीं।

जापान से आई बोनसाई कला

बोनसाई जापान की एक ऐसी कला है, जिसमे बड़े–बड़े वृक्षों को छोटे–छोटे गमलों में बिल्कुल उसी रूप में लगाया जा सकता है जैसे वे अपने प्राकृतिक रूप में दिखते हैं। बोनसाई पौधों को गमलों में इस तरह उगाया जाता है, जिससे उनका प्राकृतिक रूप तो बना रहता है मगर वे आकार में छोटे यानी बौने रह जाते हैं। अगर तुम भी घर में पेड़–पौधे लगाने के शौकीन हो मगर जगह की कमी से परेशान हो, तो इस तकनीक का उपयोग कर अपने घर में हरा भरा बगीचा बना सकते हो। इन पौधों को पूरे घर में कहीं भी रखा जा सकता है।

कहां उगाएं बोनसाई

बोनसाई बनाने से पहले मूल वृक्ष को जरूर देखना चाहिए. ताकि यह पता चल जाए कि एक पूर्ण विकसित वृक्ष किस आकृति का होता है। इससे पौधे को सही रूप देने में मदद मिलेगी। बोनसाई के लिए उथले गमलों का इस्तेमाल किया जाता है। इनकी जड़ों के आसपास मिट्टी कम होती है, अतः वर्गाकार, आयताकार, गोलाकार, अंडाकार और उथले गमले इन पौधों के लिए अच्छे रहते हैं। पेंदी में अनेक छोटे छेद होने चाहिए ताकि अतिरिक्त पानी उनसे निकल सके और जड़ों को हवा मिलती रहे। गमलों में मिट्टी, पत्ती की खाद और बालू रेत की बराबर मात्र मिला कर मिश्रण तैयार कर इसमें पौधे को लगाया जाता है।

क्या है धारणा

बोनसाई के संबंध में एक गलत धारणा यह है कि उसे कम मात्र में पोषक तत्व देने चाहिए जिससे उसका कम विकास हो। मगर असल में इसे भी किसी सामान्य पौधे के जितनी ही पोषक तत्वों की जरूरत होती है। अतः इसे खाद युक्त पानी बार–बार देते रहना चाहिए और साथ ही इसकी काट–छांट करते रहना चाहिए। कटाई–छंटाई का मुख्य उद्देश्य पौधे को आकार देना होता है। बोनसाई को लकड़ी आदि का सहारा नहीं देना चाहिए। पतली शाखाओं को सही दिशा देने के लिए तांबे या एल्यूमिनियम के तारों का इस्तेमाल किया जाता है। शाखाओं के मजबूत हो जाने के बाद इन तारों को हटा दिया जाता है। इसे ऐसी जगह रखना चाहिए जहां इसे पर्याप्त मात्र में धूप मिल सके।

ट्रेविस हेड सहित इन तीन खिलाड़ियों के नाम है ये अनचाहा रिकार्ड

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग के अलावा ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट और ट्रेविस हेड अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इन क्रिकेटरों ने अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन किया है पर इनके नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड है जिसे ये भूलना चाहेंगे। ये तीनो ही अपने करियर में अब तक एक-एक बार टेस्ट की दोनो ही पारियों में पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। आज के दौर में जहां अपनी तूफानी बल्लेबाजी से ट्रेविस हेड एक मैच विजेता के तौर पर उभरे हैं। वहीं पिछले दौर में यही भूमिका गिलक्रिस्ट और सहवाग निभाते आये हैं। अपने आक्रामक खेल से टेस्ट क्रिकेट को भी इन्होंने रोमांचक बनाया। जहां गिलक्रिस्ट ने वनडे और टी20 में ओपनिंग की, वहीं टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने मध्य क्रम में बल्लेबाजी की। दूसरी ओर, सहवाग और हेड ने टेस्ट क्रिकेट में पारी शुरु करते हुए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विपक्षी टीमों को दबाव में रखा। सहवाग और गिलक्रिस्ट का टेस्ट स्ट्राइक रेट 80 से ऊपर रहा है, जो उन्हें उनके दौर के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शामिल करता है। गिलक्रिस्ट का स्ट्राइक रेट 81.95 और सहवाग का 82.23 रहा है, जबकि ट्रेविस हेड का ओपनर के रूप में स्ट्राइक रेट 82.00 है, जो उन्हें सहवाग जैसा खिलाड़ी बनाता है हालांकि, हेड का कुल टेस्ट स्ट्राइक रेट 64.71 है, लेकिन सलामी बल्लेबाज के तौर पर उन्हें भेजे जाने के बाद यह बेहतर हुआ है। टेस्ट क्रिकेट में गिलक्रिस्ट, सहवाग और हेड का औसत 40 से ऊपर का है। गिलक्रिस्ट ने 96 टेस्ट में 47.60 के औसत से 5570 रन बनाए, जबकि सहवाग ने 104 टेस्ट में 49.34 के औसत से 8586 रन बनाए। हेड ने अब तक 49 टेस्ट में 41.75 के औसत से 3173 रन बनाए हैं। इन तीनों धुरंधरों के नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड भी दर्ज है। ये तीनों खिलाड़ी टेस्ट मैच की दोनों पारियों में पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट हुए हैं। गिलक्रिस्ट 2001 के कोलकाता टेस्ट में भारत के खिलाफ दोनो ही पारियों में खाता नहीं खोल पाये थे। वहीं सहवाग 2011 में एजबेस्टन टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ दोनो ही पारियों में पहली गेंद पर ही शिकार बने। इसके अलावा इसी साल जनवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ हेड भी दोनो पारियों में पहली ही गेंद पर आउट हुए।

संजू सैमसन नहीं टिक सके युवा तेज गेंदबाज के सामने

यूपी के आकिब की खूब हो रही तारीफ, भारत को मिल सकता है दूसरा भुवि

नई दिल्ली । इंडिया टीम के विकेटकीपर और बल्लेबाज संजू सैमसन पहली बार दलीप ट्रॉफी 2024 में खेल रहे हैं। वह इंडिया-डी की ओर से इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। पहली पारी में संजू सैमसन ने छह गेंदों पर पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें युवा तेज गेंदबाज आकिब खान ने आउट किया। 20 साल के इस युवा गेंदबाज का नाम इससे पहले शायद ही किसी ने सुना हो। खेल के तीसरे दिन इंडिया-डी ने 33 रन पर अपना तीसरा विकेट गंवा दिया। इसके बाद संजू सैमसन उतरे। उन्होंने आते ही बाउंड्री लगा दी लेकिन फिर हुआ वही जिसका डर था। संजू सैमसन युवा पेसर आकिब खान की गेंद को पुल करना चाहते थे लेकिन, गेंद हवा में उछल गई। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने कैच को लपकने में कोई गलती नहीं की। आकिब की गेंद पर संजू आउट हो गए। अब आकिब खान की खूब तारीफ हो रही है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब खान का जन्म 25 दिसंबर 2003 को पश्चिमी यूपी के सहारनपुर जिले के संसारपुर में हुआ था। गरीब परिवार से तालुक रखने वाले इस गेंदबाज ने अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी की थी। इसके बाद भारतीय चयनकर्ताओं का ध्यान इस प्रतिभावान पेसर आकिब पर गया। आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस टीम के आकिब नेट बॉलर रह चुके हैं। यूपी टीम से विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की थी जिसके बाद मुंबई ने उन्हें अपने साथ जोड़ लिया था। आकिब खान को यूपी का दूसरा भुवनेश्वर कहा जा रहा है। आकिब का गेंदबाजी एक्शन भुवी से मेल खाता है। उन्हें भुवी का उत्तराधिकारी बताया जा रहा है। आने वाले समय में आकिब एक बेहतरीन स्विंग गेंदबाज बनकर उभरेंगे ऐसे क्रिकेटर जानकारों का कहना हैं।

विराट की कप्तानी से ही आया था भारतीय टीम में बदलाव : पोंटिंग

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। पोंटिंग ने कहा है कि विराट की आक्रामक कप्तानी में ही भारतीय टीम में बदलाव आया था। उनके दौर में खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने के लिए प्रेरित किया गया। जिससे भारतीय टीम को विदेशी धरती पर भी खासी सफलता मिली है क्योंकि अब भारतीय खिलाड़ी बड़े मंच पर नहीं डरते हैं और निर्भीक होकर खेलते हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान का मानना है कि विराट भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 40 टेस्ट मैच जीते हैं जबकि 17 हारे हैं वहीं 11 टेस्ट ड्रॉ रहे। कोहली की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने विदेशी धरती पर कठिन हालातें में सफलता हासिल की है।पोंटिंग ने टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के योगदान की भी सराहना की। द्रविड़ ने टी20 विश्व कप में जीत के बाद अपना पद छोड़ दिया था। पोंटिंग ने कहा, ' विराट की कप्तानी की शुरुआत की बात करें तो उन्होंने क्रिकेट को बदलने में बड़ी भूमिका निभाई और द्रविड़ ने पिछले चार साल इसे जारी रखा। कोहली जैसे खिलाड़ी का टीम पर प्रभाव बहुत शानदार पड़ा है। ' विराट की कप्तानी में ही भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी थी। इसके अलावा टीम ने अन्य स्थानों पर भी कुछ यादगार जीत दर्ज की। कोहली ने कप्तानी में अपनी आक्रामकता से सभी को यह विश्वास दिलाया कि भारतीय टीम विदेशों में भी जीत सकती है और जब वह टीम में नहीं थे तब भी उनका आत्मविश्वास टीम पर हावी रहा।

दक्षिण अफ्रीकी महिला से शादी के बाद बदली स्पिनर ताहिर की तकदीर

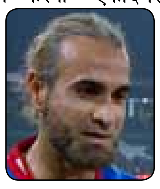

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर इमरान ताहिर को अपने करियर में काफी संघर्ष करना पड़ा। ताहिर का जन्म पाकिस्तान में हुआ था पर टीम में जगह नहीं मिलने पर वह इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने गये पर वहां भी सफल नहीं होने के कारण उन्हें एक दुकान में तक काम करना पड़ा। इस दौरान ताहिर को साफ सफाई व टॉयलेट धोने तक का काम करना पड़ा। ताहिर की किस्मत साल 2005 में दक्षिण अफ्रीकी महिला सुमाया दिलदार से शादी के बाद बदली। उन्हें दक्षिण अफ्रीका की नागरिकता मिली जिसके बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए क्रिकेट खेलना शुरू किया। ताहिर ने साल 2011 में दक्षिण अफ्रीका के लिए पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जिसमें उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू करते हुए 4 विकेट लिए। एकदिवसीय क्रिकेट में ताहिर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और 58 मैचों में 100 विकेट हासिल करने वाले सबसे तेज दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज बने। ताहिर एकदिवसीय विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका की तरफ से सबसे ज्यादा 39 विकेट लेने वाले स्पिनर हैं। वह एकदिवसीय और टी20 में दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनर ताहिर हैं। टी20 में वह सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज बने। आईसीसी के तीनों प्रमुख टूर्नामेंटों एकदिवसीय विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप में एक मैच में 4 विकेट लेने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।

इंडिया अंडर-19 टीम के युवा खिलाड़ियों को सूर्यकुमार ने दिया गुरुमंत्र

21 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम से वनडे में भिड़ेगी

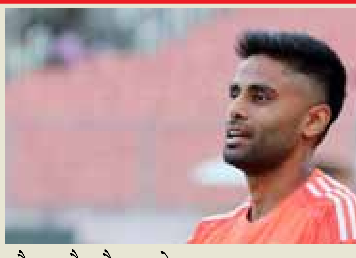

नई दिल्ली । टीम इंडिया के टी20 के मास्टर सूर्यकुमार यादव इंडिया अंडर-19 टीम के खिलाड़ियों से बेंगलुरु के एनसीए में मिले। एनसीए में युवा खिलाड़ियों को कैंप चल रहा है। इंडिया अंडर-19 टीम 21 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम से वनडे में भिड़ेगी। इस सीरीज से पहले सूर्या ने युवाओं का मनोबल बढ़ाया। सूर्यकुमार ने खिलाड़ियों को अपने कौशल का अच्छी तरह से इस्तेमाल करने, एकजुट होने और प्रक्रिया पर ज्यादा ध्यान देने के लिए टिप्स दिए। खेल के सबसे छोटे प्रारूप से रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम के टी20 कप्तान बने सूर्यकुमार यादव ने भारत की जूनियर टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 सितंबर से शुरू होने वाली सीरीज से पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अंडर-19 क्रिकेटरों के साथ बातचीत की। एनसीए के सूत्र ने बताया कि सूर्यकुमार ने युवा खिलाड़ियों से कहा कि वे अपने अद्वितीय कौशल के साथ पूरा न्याय करें और प्रक्रिया पर भरोसा रखें। आप जैसे हो हमेशा वैसे ही बने रहना। आपमें से हरेक के पास एक विशिष्ट कौशल है और उसके साथ पूरा न्याय करना। प्रक्रिया और दिनचर्या पर ज्यादा ध्यान देना। परिणाम खुद ही आपके अनुकूल होगा। टीम में भारत के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ भी हैं। यूपी के मोहम्मद अमान एक दिवसीय टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि सोहम पटवर्धन चार दिवसीय मैचों में टीम का नेतृत्व करेंगे। भारत अंडर-19 टीम पुडुचेरी में 21, 23 और 26 सितंबर को 50 ओवर के तीन मैचों में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के साथ अपने मैच खेलेगी। इसके बाद 30 सितंबर से चेन्नई में दो चार दिवसीय मैच भी खेले जाएंगे।

व्यापार

एफसीआई का 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरुआत की है। एफसीआई के अभियान का मुख्य फोकस 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' पर आधारित है। यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2024 तक देशभर में चलाया जाएगा। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि एफसीआई ने 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर, 2024 तक स्वच्छता अभियान चलाने की एक योजना बनाई है। इस अभियान को देशभर में 760 स्थानों पर जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल (उत्तर से दक्षिण) और गुजरात से लेकर पूर्वोत्तर राज्यों (पश्चिम से पूर्व) तक के सभी एफसीआई कार्यालयों, जोनल, क्षेत्रीय एवं जिला और दूरदराज के क्षेत्रों को कवर करने वाले गोदामों में शुरू किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय खाद्य निगम ने 17 सितंबर, 2024 से शुरू होने वाले इस अभियान के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है, जिसमें 'संपूर्ण समाज' दृष्टिकोण पर जोर देते हुए तीन प्रमुख स्तंभों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस अभियान की प्रगति की नियमित रूप से SHS पोर्टल https://swachhatahiseva.gov.in पर निगरानी की जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक चूंकि स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक चलेगा और स्वच्छ भारत दिवस पर समाप्त होगा, इसलिए यह सभी नागरिकों, भागीदारों और हितधारकों के लिए इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर प्रस्तुत करता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय खाद्य निगम देशभर के किसानों से एमएसपी पर गेहूं और धान खरीदता है। ये विभिन्न परिवहन साधनों के माध्यम से प्रति वर्ष करीब 50 मिलियन टन खाद्यान्न का परिवहन करके यह भी सुनिश्चित करता है, ताकि देश के हर हिस्से में गेहूं और चावल उपलब्ध हो। इसके बाद इस गेहूं और चावल को 2000 से अधिक एफसीआई के गोदामों में संग्रहीत किया जाता है और 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में उचित मूल्य की दुकानों के देशव्यापी नेटवर्क के माध्यम से वितरित किया जाता है।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट रही

- सेंसेक्स 72 अंक गिरकर 82,890 पर बंद
- निफ्टी 32 अंक गिरकर 25,356 पर बंद

मुंबई। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में वैश्विक स्तर पर सकारात्मक रुख के बावजूद कमजोरी दर्ज की गई। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले और शुक्रवार को मुनाफावसूली की वजह से कमजोरी के साथ ही बंद हुए। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सोमवार को बीएसई का तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 26.25 अंक गिरकर 81,157.68 अंक पर खुला और 375 अंक बढ़कर 81,559 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी-50 में भी गिरावट देखी गई और यह 18.60 अंक की गिरावट के साथ 24,833.55 अंक पर खुला और 84 अंक बढ़कर 24,936 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 74 अंकों की गिरावट के साथ 81,485.75 के स्तर पर खुला और 361.75 अंकों की बढ़त के साथ 81,921.29 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी50 63 अंकों की बढ़त के साथ 24,999 पर खुला और 7.10 अंकों की गिरावट के साथ 25,034.00 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 अंकों तक टूट गया। सेंसेक्स 110.06 अंक टूटकर 81,800.72 के स्तर पर खुला और 398.13 अंकों की गिरावट के साथ 81,523.16 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 7.10 अंकों की गिरावट के साथ 25,034.00 पर खुला और 122.65 अंक टूटकर 24,918.45 पर बंद हुआ। घरेलू बाजार में वैश्विक निवेश बढ़ने से घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को झूम उठा। आखिरी सत्र में बाजार में मजबूत बढ़ दिखी। सेंसेक्स 1,236.04 अंक उछलकर 82,772.87 पर खुला और 1,440 अंक बढ़कर 82,962 पर बंद हुआ। निफ्टी 369.50 अंक चढ़कर 25,287.95 पर खुला और 470 अंक की बढ़त आई और यह 25,388.9 पर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 इंडेक्स ने शुक्रवार को अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर के पास से गिरावट के साथ बाजार की शुरुआत की। यह गिरावट थोड़ी ज्यादा महंगाई दर और इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन इंडेक्स के उच्च आंकड़े की वजह से हुई। बीएसई सेंसेक्स 79.61 अंक की गिरावट के साथ 82,883.10 पर खुला और 72 अंक गिरकर 82,890 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 31.55 अंक की गिरावट के साथ 25,357.35 के स्तर पर खुला और 32 अंक गिरकर 25,356 पर बंद हुआ।

डीजीजीआई की वार्षिक रिपोर्ट 2023-24: जीएसटी चोरी के रुझान जारी

नई दिल्ली। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने शनिवार को अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2023-24: जीएसटी चोरी के रुझान जारी किए। रिपोर्ट में चोरी के पैटर्न का व्यापक विश्लेषण किया गया है। इसके साथ ही जीएसटी चोरी और रणनीतिक प्रवर्तन के महत्वपूर्ण मामलों पर प्रकाश डाला गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की तरफ से शनिवार को 'एक्स' पोस्ट में बताया गया है कि जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2023-24: जीएसटी चोरी के रुझान जारी किए हैं। इस रिपोर्ट को सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने डीजीजीआई सदस्य अनुपालन प्रबंधन राजीव तलवार एवं अन्य की उपस्थिति में जारी किया। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय का दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन आज सिलीगुड़ी में शुरू हुआ। इसका उद्घाटन अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने किया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में कर प्रवर्तन, उभरते कर चोरी क्षेत्रों की पहचान और वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में सीईएसटीएटी, डीजीएआरएम, प्रवर्तन निदेशालय, एनएफएसयू, आई4सी, डीओटी और जीएसटीएन के प्रतिष्ठित आमंत्रितों के सत्र होंगे, जिनमें उन्नत डिजिटल फोरेंसिक, एनसीआरपी, बीआईएफए और सफल जांच जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वस्तु एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) वित्त मंत्रालय के अधीन एक कानून प्रवर्तन एजेंसी है। यह एजेंसी भारत में कर चोरी से लड़ने के लिए जिम्मेदार है। इसकी स्थापना 1979 में कर चोरी विरोधी महानिदेशालय के रूप में की गई थी, जिसे बाद में नाम बदल कर केंद्रीय उत्पाद शुल्क खुफिया महानिदेशालय कर दिया गया है।

विजयवाड़ा-नई दिल्ली के बीच इंडिगो की विमान सेवा का शुभारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में विजयवाड़ा से नई दिल्ली के बीच इंडिगो की सीधी उड़ान सेवा का शुभारंभ किया। नायडू ने विजयवाड़ा एयरपोर्ट पर एक नए प्रवेश और निकास मार्ग का भी शुभारंभ किया। मंत्री के कार्यालय ने एक्स पोस्ट पर एक बयान में कहा कि केंद्रीय मंत्री नायडू ने विजयवाड़ा-नई दिल्ली के बीच इंडिगो की उड़ान का उद्घाटन किया है। इसके साथ ही उन्होंने विजयवाड़ा एयरपोर्ट पर एक नए प्रवेश और निकास मार्ग का भी शुभारंभ किया। इससे एयरपोर्ट पर आने-जाने वाले यात्रियों के लिए दूरी 400 मीटर कम हो गई है। मंत्री नायडू ने कहा कि मुझे हवाई अड्डे के संचालन की समीक्षा करने का भी मौका मिला। नए एकीकृत टर्मिनल को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। हम विजयवाड़ा एयरपोर्ट को और विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, यह उद्घाटन उसी दिशा में एक कदम मात्र है।

सरकार के रियायती दरों पर प्याज की खुदरा बिक्री से कीमत में आई गिरावट

कहा-सब्सिडी वाली प्याज की बिक्री से जनता को राहत, प्रमुख शहरों में दरें घटीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए उपभोक्ताओं को रियायती दरों पर 35 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर बेचने की शुरुआत की है। सरकार की सब्सिडी वाली प्याज की खुदरा बिक्री की पहल से कुछ ही दिनों में प्रमुख शहरों में कीमतों में गिरावट आई है। हालांकि, इसकी कीमतों में अभी तेजी बनी हुई है। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि पांच सितंबर को शुरू की गई सरकार की सब्सिडी वाली प्याज की बिक्री की पहल से कुछ ही दिनों में प्रमुख शहरों में कीमतों में गिरावट आई है। मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमत 60 रुपये से घटकर 55 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, जबकि मुंबई में 61 रुपये से घटकर 56 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। चेन्नई में खुदरा कीमत 65 रुपये से घटकर 58 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मंत्रालय ने कहा कि बढ़ती हुई मांग को देखते हुए सरकार ने सब्सिडी वाली प्याज की मात्रा बढ़ाने और वितरण चैनलों का विस्तार करके ई-कॉमर्स मंच, केंद्रीय भंडार आउटलेट और मदर डेयरी के सफल स्टोर को शामिल करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि सरकार ने मोबाइल वैन और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नैफेड) के आउटलेट के जरिए 35 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी दर पर उपभोक्ताओं को प्याज की बिक्री शुरू की है। नई दिल्ली और मुंबई में शुरू हुआ यह कार्यक्रम अब चेन्नई, कोलकाता, पटना, रांची, भुवनेश्वर और गुवाहाटी सहित अन्य प्रमुख शहरों में भी फैल चुका है।

बॉलीवुड में डेब्यू करते ही स्टार बन गईं रूहानी शर्मा

बॉलीवुड में कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं जो एंट्री करते ही रातोंरात स्टार बन गई थीं. अब उसी लिस्ट में अनुष्का शर्मा की बहन रुहानी शर्मा भी शामिल हो गई हैं. बॉलीवुड में एक्ट्रेस रूहानी शर्मा ने फिल्म आगरा से डेब्यू किया है. फिल्म ऑनलाइन लीक हो गई है जिसमें से एक्ट्रेस के इंटीमेट सीन्स का वीडियो वायरल हो रहा है. रूहानी शर्मा बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा की कजिन हैं. उनका जन्म हिमाचल प्रदेश के सोलन में हुआ है. पंजाब यूनिवर्सिटी से अपनी ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख दिया था. रूहानी ने कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में काम किया. उसके बाद उन्होंने तमिल फिल्मों से एक्टिंग की दुनिया में डेब्यू किया. तमिल के बाद तेलुगू में भी रूहानी डेब्यू कर चुकी हैं. दोनों ही इंडस्ट्री में रूहानी की एक्टिंग को लेकर खूब तारीफ हुई है. उसके बाद रूहानी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आगरा मूवी से डेब्यू किया. इस फिल्म में मोहित अग्रवाल, प्रियंका बोस, रूहानी शर्मा, विभा चिब्बर और सोनल झा अहम किरदार निभाती नजर आईं हैं. फिल्म का 2023 कान्स फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर हुआ था. फिल्म के ऑनलाइन लीक होने के बाद सोशल मीडिया पर इंटींमेट सीन का एक वीडियो वायरल हो रहा है. इंटीमेट सीन की वजह से रूहानी को खूब ट्रोल भी किया जा रहा है. ट्रोलिंग के बाद रूहानी चुप नहीं बैठीं. उन्होंने एक स्टेटमेंट शेयर करके अपनी निराशा जाहिर की. रूहानी शर्मा आखिरी बार फिल्म ब्लॉकआउट में नजर आईं थीं. इस फिल्म में उनके साथ विक्रांत मैसी, सुनील ग्रोवर, मौनी रॉय अहम किरदार निभाते नजर आए थे. वो जल्द ही तमिल फिल्म मास्क में नजर आएंगी. रूहानी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो आए दिन अपनी ग्लैमरस फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं.उनकी क्यूटनेस के फैंस दीवाने हैं.

बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 की पकड़ चौथे सप्ताह में भी बरकरार

28वें दिन भी किया करोड़ों में कारोबार

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर 'स्त्री 2 को सिनेमाघरों में धूम मचाते हुए एक महीना पूरा होने वाला है लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस से हटने का नाम नहीं ले रही है. इस बीच कितनी ही बड़े स्टार कास्ट की फिल्में आई और चली भी गई लेकिन मजाल है कि 'स्त्री 2 का बॉक्स ऑफिस पर से सिंहासन कोई हिला सका हो. धुआंधार कमाई करते हुए ये ना केवल साल 2024 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बन चुकी है बल्कि दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुकी है. अब बस इसका टारगेट हिंदी में 600 करोड़ के नए क्लब की शुरुआत करना लग रहा है. वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श द्वारा शेयर किए दए आंकड़ों के मुताबिक 'स्त्री 2 ने फर्स्ट वीक में 307.80 करोड़, सेकंड वीक में 145.80 करोड़ और थर्ड वीक में 72.83 करोड़ की कमाई की. वहीं चौथे शुक्रवार फिल्म ने 4.84 करोड़, चौथे शनिवार 8.77 करोड़, चौथे रविवार 11.40 करोड़, चौथे सोमवार 3.60 करोड़ और चौथे मंगलवार 3.20 करोड़ का कलेक्शन किया इसी के साथ 'स्त्री 2 के 27 दिनों की कुल कमाई 558.24 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं अब फिल्म के 28वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'स्त्री 2 ने रिलीज के 28वें दिन 3 करोड़ का कारोबार किया है. इसी के साथ 'स्त्री 2 की 28 दिनों की कुल कमाई अब 561.24 करोड़ रुपये हो गई है. 'स्त्री 2 की कमाई वाकई हैरान कर देने वाली है. 50 करोड़ की लागत से बनी ये फिल्म रिलीज के 28 दिनों में 560 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर चुकी है. अब ये शाहरुख खान की 'जवान के हिंदी वर्जन में लाइफटाइम कलेक्शन (584 करोड़) का रिकॉर्ड ब्रेक करने से कुछ ही करोड़ दूर रह गई है. इस माइल स्टोन को पार करते ही 'स्त्री 2 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन जाएगी. वैसे बता दे कि 'जवान का बाकी भाषाओं की कमाई को मिलाकर लाइफटाइम कलेक्शन (643.87) है.

मीना कुमारी की बायोपिक कमाल-मीना का टीजर आउट

दिग्गज एक्ट्रेस की लव स्टोरी का खुलेगा राज

हिंदी सिनेमा की दिग्गज और खूबसूरत एक्ट्रेस मे से एक मीना कुमारी के बारे में कौन नहीं जानता. मीना कुमारी जितनी सुंदर थीं, उससे कई ज्यादा उनके अभिनय में खूबसूरती नजर आती थी, जिन सिनेप्रेमियों को मीना कुमारी के बारे में जानकारी नहीं हैं, उनके लिए एक गुडन्यूज है. दरअसल, हिंदी सिनेमा का आइकॉनिंग सॉन्ग चलते-चलते (पाकीजा) फेम एक्ट्रेस मीना कुमारी की बायोपिक का टीजर रिलीज हो गया है. इस मीना कुमारी की बायोपिक के टीजर को संजय दत्त ने भी शेयर किया है. मीना कुमारी का बायोपिक लंबे समय से चर्चा हो रही थी. संजय दत्त ने मीना कुमारी की बायोपिक के टीजर को शेयर कर लिखा है, डियर साची और बिलाल, नए वेंचर के लिए ऑल द बेस्ट, भगवान करे यह सुपरहिट हो, संजय मामू की तरफ से हमेशा प्यार बना रहेगा, यह मस्ट वॉच फिल्म है. मीना कुमारी की बायोपिक के टीजर की बात करें तो इसमें मीना कुमारी और उनके पति कमाल अमरोही की लव स्टोरी के पल दिख रहे हैं. कमाल अमरोही फिल्म डायरेक्टर और स्क्रीनराइटर थे. उनका असली नाम सैय्यद आमिर हैदर कमल नकवी था और उनका स्क्रीन नाम कमाल अमरोही था. वहीं, सारेगामा ने भी अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर मीना कुमारी का बायोपिक कमाल-मीना का टीजर शेयर किया है. उन्होंने लिखा है, एक सपना जो खत्म होने से डरा नहीं, एक ऐसा प्यार जो सीमाओं से परे गया. इस फिल्म को सिद्धार्थ मल्होत्रा, बिलाल अमरोही बना रहे हैं. फिल्म में इरशाद कामिल ने गाने लिखे हैं. इन गानों के एआर रहमान ने अपना मधुर संगीत दिया है. बता दें, मीना कुमारी को हिंदी सिनेमा में सुपरस्टार दिलीप कुमार की तरह एक टैग मिला हुआ था. दिलीप कुमार ट्रेजेडी किंग तो मीना कुमारी ट्रेजेडी क्वीन माना जाता था. कहा जाता है कि घर की मजबूरियों के चलते पढ़ाई ना कर सकीं मीना कुमारी को ना चाहते हुए भी हिंदी सिनेमा का दामन थामना पड़ा था. मीना का जन्म 1 अगस्त 1933 को मुंबई के दादर में हुआ था और वहीं 31 मार्च 1972 को महज 39 साल की उम्र में लीवर खराब होने से उनकी मौत हो गई.

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का ट्रेलर आउट

राजकुमार-तृप्ति ने लगाया रोमांस के साथ कॉमेडी का तड़का

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की अपकमिंग कॉमेडी ड्रामा विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है. ट्रेलर काफी मजेदार है और कॉमेडी से भरपूर है. फिल्म में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी लीड रोल में हैं उनके साथ ही मल्लिका शेरावत, विजय राज, मस्त अली जैसे कलाकार सपोर्टिंग रोल में हैं. इनके अलावा शहनाज गिल और दलेर मेहंदी का गाने में स्पेशल अपीयरेंस है. ट्रेलर की शुरूआत में विक्की और विद्या अपनी का इंटीमेट वीडियो बनाते हैं और इसे रिकॉर्ड करते हैं लेकिन इसकी सीडी प्लेयर कहीं चोरी हो जाती है. इसी को खोजने की जद्दोजहद में मेकर्स ने गजब का कॉमेडी का तड़का लगाया है जिसमें विजय राज एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में हैं जो मल्लिका शेरावत के प्यार में पड़ जाता है. हाल ही में मेकर्स ने इसका अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया था जो काफी दिलचस्प था. इस दिलचस्प टीजर में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी टीवी जर्नलिस्ट की भूमिका में नजर आ रहे हैं और अपनी फिल्म के कलाकारों और क्रू को पेश करने के लिए एक शो होस्ट कर रहे हैं. इस टीजर को दर्शकों ने खूब पसंद किया.<फिल्म टी-सीरीज, बालाजी टेलीफिल्म्स, वाकाओ फिल्म्स और थिंकिंग पिक्चर्स का ज्वाइंट वेंचर है. यह फिल्म 11 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. बता दें कि यह आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर जिगरा से टकराएगी, जो उसी दिन सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रहे हैं. वर्कफ्रंट की बात करें तो राजकुमार पिछली बार मिस्टर एंड मिसेज माही में जाह्नवी कपूर के साथ नजर आए थे. वहीं उनकी अकपमिंग फिल्मों में विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और मालिक है. दूसरी ओर तृप्ति की पिछली फिल्म बैड न्यूज थी जिसमें उनके साथ विक्की कौशल और एमी विर्क थे.

येलो और रेड साड़ी पहन भोजपुरी क्वीन मोनालिसा ने गिराई हुस्न की बिजली

कातिल अदाएं देखकर दिल हारे फैंस

भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से फैंस के बीच कहर बरपाती रहती हैं। उनका बोल्ड अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद ही खूबसूरत तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने गणपति उत्सव की कुछ बेहद खूबसूरत फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका खूबसूरत और ग्लैमरस लुक देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। मोनालिसा ने गणेश भगवान जी की पूजा के दौरान बेहद ही सुंदर येलो और रेड कलर की साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। कानों में गोल्ड के इयररिंग्स और गले में नेकलेस और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते रहते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने लिखा है- आउटस्टैंडिंग। दूसरे यूजर ने लिखा है कोई इतना खूबसूरत कैसे हो सकता है। तीसरे यूजर ने लिखा है ब्यूटिफुल क्वीन मैम।

भुवन बाम की ताजा खबर 2 का ट्रेलर जारी, जावेद जाफरी से भिड़ते दिखेंगे अभिनेता

कॉमेडियन और अभिनेता भुवन बाम की वेब सीरीज ताजा खबर को दर्शकों का काफी प्यार मिला था। यह सीरीज बीते साल 5 जनवरी को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी।अब दर्शक ताजा खबर के दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म हो जाएगा।दरअसल, ताजा खबर 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिस पर दर्शक खूब प्यार लुटा रहे हैं।नए सीजन में भुवन की भिड़ंत जावेद जाफरी से होने वाली है। भुवन बाम ने दर्शकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनसे मिले प्यार से वह काफी उत्साहित महसूस करते हैं। उन्होंने इस सीजन का इंतजार करने को लेकर दर्शकों का आश्वस्त करते हुए कहा कि उनका इंतजार सफल साबित होगा। भुवन ने कहा, सीजन 2 की शूटिंग भावनात्मक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण रही है और मैं खुद को वास्या की आंखों में देख सकता था। इस सीजन में मेरे किरदार का ग्राफ बढ़ता है। अभिनेता ने आगे कहा कि उन्हें दिग्गज अभिनेता जावेद जाफरी के साथ काम करने में काफी मजा आया। ताजा खबर 2 की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। इस सीरीज का प्रीमियर 27 सितंबर, 2024 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर होने जा रहा है।इसमें भुवन और जावेद के अलावा श्रिया पिलगांवकर, महेश मांजरेकर, प्रथमेश परब, नित्या माथुर, देवेन भोजनी और शिल्पा शुक्ला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।ताजा खबर 2 का निर्देशन हिमांक गौड़ ने किया है। भुवन ने इसका निर्माण रोहित राज के साथ मिलकर किया है। कहानी हुसैन और अब्बास दलाल ने लिखी है। जावेद जाफरी ने अपनी भूमिका को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें जब इस किरदार की पेशकश की गई, तो वह काफी उत्साहित हो गए। उन्होंने कहा कि उन्हें नई भूमिकाओं के साथ खुद को चुनौती देना पसंद आता है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा,यूसुफ काफी शक्तिशाली और उग्र स्वभाव वाला है। उसके किरदार में कई परत हैं, जो मैंने पहले कभी नहीं निभाया है। भुवन बाम जैसे प्रभावशाली, मेहनती और युवा कलाकार के साथ काम करना अविश्वसनीय है, जो हर समय भावुक और दृढ़ रहे हैं। ताजा खबर मेरे लिए रचनात्मक रूप से काफी संतोषजनक अनुभव रहा है और दर्शकों को वास्या और यूसुफ के मुकाबले का मजा लेने को मिलेगा।